हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 18 अक्टूबर 2026

KP GROUP Quality Since 1965

नया दशन पैक

30% EXTRA

KP GROUP Quality Since 1965

CELEBRATING 60 YEARS

राजश्री ®

पान मसाला

NO TOBACCO, NO NICOTINE

No Tobacco, No Nicotine

Not recommended for minors

Chewing of pan masala is injurious to health



बॉलीवुड में अपनी बॉस, राजनीति में माननी होती है पार्टी की गाइडलाइन

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के ढोलिड़ा गरबा महोत्सव में पहुंचीं अभिनेत्री-सांसद कंगना रनौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बॉलीवुड में अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता है, लेकिन राजनीति में पार्टी के नियमों और गाइडलाइन का पालन करना होता है। बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने शनिवार रात हरिभूमि-आईएनएच न्यूज मीडिया पार्टनर की ओर से गुंजन आयोजन के ढोलिया गरबा महोत्सव में उक्त बातें कही। कार्यक्रम में पहुंचीं कंगना रनौत ने मंच पर आते ही हाथ हिलाकर उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने अपने संबोधन में हरिभूमि-आईएनएच न्यूज को गरबा महोत्सव के आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से लोगों को गरबा करने और अपनी संस्कृति से जुड़ने का मंच मिलता है। इस अवसर पर हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी भी मौजूद रहे।

20 साल से अभिनय कर रही

मंच पर हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कंगना से बॉलीवुड और राजनीति से जुड़े रोचक सवाल किए। इस पर कंगना ने कहा कि बॉलीवुड में वे अपनी बॉस हैं और बेझिझक अपनी बात रखती हैं। अभिनय करते हुए उन्हें 20 साल हो चुके हैं, इसलिए इस क्षेत्र में वे अपने फैसले खुद लेती हैं। वहीं राजनीति में अभी शुरुआत है और पार्टी के नियम, गाइडलाइन का पालन करना पड़ता है।



सीएम साय बोले-आयोजन में शामिल होना मेरा सौभाग्य



आईएनएच-हरिभूमि ढोलिडा गरबा गुंजन आयोजन में शामिल होते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज सौभाग्य का विषय है कि यह मेरा पांचवा गरबा है। सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं। शक्ति स्वरूपा माता-बहनों को मेरा प्रणाम है। आज माता रानी की उपासना में पूरा देश जुटा है। पिछले सात दिनों से पूरा छत्तीसगढ़ माता की उपासना में डूबा है। छत्तीसगढ़ में सब तरफ माता ही माता विराजती है। माता का आशीर्वाद छत्तीसगढ़ को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की भूमि है। चारों तरफ भोले बाबा विराजमान हैं। हमें छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में खड़ा करना है। इसमें हम सभी को प्रयास करना है। पिछले साल मैं आयोजन में शामिल नहीं हो पाया था। इस वर्ष शामिल होकर हर्ष हो रहा है।

उपवास के बावजूद उत्साह बनाए रखने की अपील

कंगना ने बताया कि उन्होंने भी नवरात्रि का उपवास रखा है और शनिवार को उपवास का सातवां दिन था। उन्होंने गरबा में शामिल लोगों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा कम नहीं होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ के विकास पर चर्चा करते हुए कंगना ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने सरकार के विकास कार्यों का भी उल्लेख किया।

मंच पर किए गरबा के स्टेप्स

कार्यक्रम के दौरान कंगना रनौत ने सनेड़ो गीतों पर मंच से गरबा कर रहे लोगों का साथ दिया। उन्होंने मंच पर चहलकदमी करते हुए गरबा के आसान स्टेप्स किए। उनकी मौजूदगी और गरबा में सहभागिता से कार्यक्रम में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ गया।

उग्र हुए ग्रामीण, तहसीलदार एसडीओपी और टीआई से हाथापाई, बनाया बंधक

कुबेरपुर में ट्रैक्टर से कुचलकर महिला की मौत के बाद शुरू हुआ था आंदोलन, रात में तनावपूर्ण हुए हालात

एजेंसी ⏭ बिहारपुर/ सूरजपुर

ट्रैक्टर से कुचलकर महिला की मौत के बाद शुरू हुआ विवाद ने शनिवार शाम उग्र रूप ले लिया। दिनभर चले चक्काजाम और विरोध प्रदर्शन के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर लोगों को समझाइश देने पहुंचे तहसीलदार, एसडीओपी और टीआई के साथ हाथापाई की और उन्हें बंधक बना लिया। ग्रामीणों ने क्रशर प्लांट में खड़े एक ट्रैक्टर और डीजी सेट को भी आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। अधिकारियों को बंधक बनाए जाने और उनके साथ हाथापाई की सूचना



मिलने पर एसपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।बता दें कि शनिवार दोपहर 12.15 बजे क्षेत्र के ग्राम कुबेरपुर में एक नाबालिग ट्रैक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी सवार 28 वर्षीय चंद्रावती जायसवाल, पति संजय जायसवाल, को कुचल दिया था। महिला स्वास्थ्य केंद्र से उपचार कराने के बाद घर लौट रही थी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ मुख्य मार्ग पर कुबेरपुर चौक पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

चल रही है कार्रवाई

"घटना के बाद ग्रामीणों और परिजन को समझाइश दी गई है। मामले में अपराध दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।"
-लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, टीआई, चांदनी

स्थिति नियंत्रण में

तहसीलदार के साथ हल्की धक्का मुक्की हुई है। अधिकारी भीड़ में घिर गए थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। जांच चल रही है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।
-योगेश पटेल, एसपी, सूरजपुर

दिल्ली में सियासी घमासान, अब कांग्रेस की रैली पर टिकी निगाहें

विवादित एसआईआर को लेकर देशभर में हो रहे हैं प्रदर्शन

दीपके को जमानत, नेहा रिहा कांग्रेस की 1 नवंबर को रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में सियासी घमासान और विरोध-प्रदर्शनों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को जमानत मिलने और नेहा की रिहाई से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। वहीं, कांग्रेस ने 1 नवंबर को बड़ी रैली का ऐलान कर सियासी तापमान और बढ़ा दिया है। अब सबकी निगाहें कांग्रेस की इस रैली पर टिकी हैं, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। दीपके को शनिवार को सशर्त जमानत दे दी गई और उनसे शांति बनाए रखने संबंधी बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया।



पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को कनॉट प्लेस में कॉजपा के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली के झंडेवालान स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था। दीपके को 10 अक्टूबर को दिए गए शांति बॉण्ड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

शांति बॉण्ड के बाद रिहाई

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शांति बॉण्ड में दिए गए आश्वासन के आधार पर, उन्हें छोड़ दिया गया। हम आगे की जानकारी के लिए लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। दीपके को मंदिर मार्ग पुलिस थाने में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दे दी गई। हालांकि, पुलिस ने इस घटनाक्रम पर कोई बयान जारी नहीं किया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस थाने और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई।

रामलीला मैदान में जुटेंगे कांग्रेसी

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को 1 नवंबर को रामलीला मैदान में रैली करने की अनुमति दे दी है। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की अनुमति दे दी है। इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि सभी दल इस बात पर सहमत हैं कि चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बजाय मतपत्रों से कराए जाने चाहिए। उन्होंने घोषणा की थी कि कांग्रेस एक नवंबर को दिल्ली में एक रैली आयोजित करेगी। कांग्रेस ने एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की योजना बनाई है और इसके लिए आवश्यक एनओसी प्राप्त करने के वास्ते दिल्ली पुलिस से संपर्क किया था। निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर रैली आयोजित करने के वास्ते 25 अक्टूबर से तीन नवंबर तक की अवधि तक के लिए एनओसी जारी कर दिया गया है।

लंदन में ज्ञानेश के खिलाफ प्रदर्शन ध्रुव राठी ने कहा- स्टॉप वोट चोरी



लंदन। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस और ब्रिटेन स्थित भारतीय छात्र संगठनों द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ आयोजित प्रदर्शन में शनिवार को लंदन के 'पार्लियामेंट स्क्वायर' में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास सैकड़ों लोग जुटे। 'स्टॉप वोट चोरी' प्रदर्शन में यूट्यूबर ध्रुव राठी के मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे। लोगों ने उनका उत्साह बढ़ाया। वहीं गांधी प्रतिमा के दूसरी ओर एक छोटे समूह ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारियों ने दोनों समूहों को अलग रखा। दोनों समूहों के बीच तनाव बढ़ने लगा, क्योंकि वे एक-दूसरे के नारों की आवाज को दबाने के लिए और तेज नारेबाजी की कोशिश कर रहे थे।

यह कहा राठी ने : राठी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हम विदेशी हस्तक्षेप नहीं चाहते। मैं यहां पार्लियामेंट स्क्वायर में भारतीयों और प्रवासी भारतीयों को संबोधित करने आया हूं।' उन्होंने कहा, 'हमारे देश में 'वोट चोरी' के खिलाफ संदेश फैलाना महत्वपूर्ण है। ये प्रदर्शन तब रुकेंगे, जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जगह ऐसे उम्मीदवार को नियुक्त किया जाएगा, जिस पर सरकार और नेता प्रतिपक्ष की सहमति हो।'

डॉक्टर बनने का सपना, किर्गिस्तान में मेडिकल शिक्षा के साथ नई उड़ान

International Higher School of Medicine (IHSM) में MBBS की पढ़ाई के लिए भारतीय विद्यार्थियों के बीच बढ़ती रुचि

रायपुर से बिश्केक तक मेडिकल शिक्षा का सफर, पढ़ाई के साथ क्लिनिकल ट्रेनिंग और विद्यार्थियों के लिए भारतीय सुविधाओं पर जोर

डॉक्टर बनना अनेक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का सपना होता है। लेकिन भारत में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश, सीमित सीटों और निजी संस्थानों की फीस के कारण कई परिवार दूसरे विकल्पों पर भी विचार करते हैं। ऐसे में विदेश में MBBS की पढ़ाई विद्यार्थियों के सामने एक विकल्प के रूप में आती है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक स्थित International Higher School of Medicine (IHSM) भारतीय विद्यार्थियों के लिए मेडिकल शिक्षा का एक विकल्प है।

IHSM में मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने की योजना बना रहे विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए कॉलेज की पढ़ाई, प्रवेश प्रक्रिया, फीस, रहने की व्यवस्था और भारत लौटने के बाद लागू नियमों की जानकारी समझना जरूरी है। सही जानकारी और समय पर मार्गदर्शन से परिवार सोच-समझकर निर्णय ले सकते हैं।

IHSM में मेडिकल शिक्षा और क्लिनिकल ट्रेनिंग

International Higher School of Medicine, बिश्केक, किर्गिस्तान में स्थित मेडिकल शिक्षण संस्थान है। यहां MBBS समकक्ष मेडिकल कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की



पढ़ाई के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसरों की जानकारी दी जाती है। मेडिकल शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ क्लिनिकल अनुभव का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इससे विद्यार्थियों को मरीजों की देखभाल और अस्पताल की कार्यप्रणाली समझने में मदद मिलती है।

विद्यार्थियों को प्रवेश से पहले पाठ्यक्रम की अवधि, शिक्षण माध्यम, क्लिनिकल ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और डिग्री की भारत में स्वीकार्यता से संबंधित वर्तमान नियमों की पुष्टि अवश्य करनी चाहिए।

भारतीय विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं

विदेश में पढ़ाई के दौरान विद्यार्थियों को नए देश, भाषा, खानपान और वातावरण के साथ तालमेल बैठाना पड़ता है। अभिभावकों के लिए भी बच्चों की सुरक्षा, रहने की व्यवस्था और दैनिक जरूरतें महत्वपूर्ण होती हैं। IHSM में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल, भोजन और भारतीय विद्यार्थियों के अनुकूल सुविधाओं की उपलब्धता तथा शर्तों की जानकारी प्रवेश से पहले प्राप्त करना उपयोगी है।

इसके अलावा, कुल खर्च का आकलन करते समय केवल ट्यूशन फीस



नहीं, बल्कि हॉस्टल, भोजन, यात्रा, बीमा, वीजा और अन्य आवश्यक खर्चों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

पढ़ाई के साथ भविष्य की तैयारी

विदेश से मेडिकल डिग्री प्राप्त करने के बाद भारत में डॉक्टर के रूप में पंजीकरण और प्रैक्टिस के लिए लागू राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के नियमों को समझना आवश्यक है। विद्यार्थियों को NEET, पात्रता, पाठ्यक्रम, इंटर्नशिप और भारत में लागू लाइसेंसिंग परीक्षा या अन्य आवश्यकताओं की नवीनतम जानकारी संबंधित आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त करनी चाहिए।

मेडिकल शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और योग्य डॉक्टर बनना है। इसलिए कॉलेज का चयन करते समय शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशिक्षण, सुविधाओं और भविष्य की पात्रता को प्राथमिकता देना जरूरी है।

रायपुर में प्रवेश एवं मार्गदर्शन कार्यालय

छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए ISM FOCAL POINT C.G. का रायपुर में कार्यालय है। यहां से विद्यार्थी IHSM में प्रवेश, आवश्यक दस्तावेजों, फीस और विदेश में पढ़ाई की तैयारी से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यह कार्यालय प्रवेश एवं मार्गदर्शन के लिए संपर्क केंद्र के रूप में कार्य करता है। अभिभावक यहां अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं और प्रवेश से पहले जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सही जानकारी, बेहतर निर्णय

विदेश में MBBS की पढ़ाई का निर्णय विद्यार्थी और परिवार के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला है। इसलिए प्रवेश लेने से पहले कॉलेज की वर्तमान मान्यता, डिग्री की पात्रता, फीस, हॉस्टल और क्लिनिकल ट्रेनिंग से संबंधित सभी जानकारियों की पुष्टि करना जरूरी है।

International Higher School of Medicine (IHSM), Bishkek, Kyrgyzstan में मेडिकल शिक्षा के विकल्प को समझने के लिए विद्यार्थी और अभिभावक रायपुर स्थित ISM FOCAL POINT C.G. कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 18 अक्टूबर 2026

Shri Ganesha® SINCE 1974

WE MAKE YOUR LIFE COLOURFUL

CERTIFIED COMPANY

MSME Zed GOLD

ZERO DEFECT ZERO EFFECT

AMORA

Personal & Corporate Orders

SCAN HERE

इस दीपावली को बनाएं और भी ख़ास

भावनाओं से सजे उपहार, जो भारतीय परंपरा
कला और आधुनिक सौंदर्य का संगम हैं।



DRY FRUIT HAMPERS



PUJA ESSENTIAL BOXES



CHOCOLATES & TREATS



FESTIVE DECOR GIFTS



CORPORATE GIFTING



DIWALI GIFTING



GERMAN - SILVER RANGE

आपकी आवश्यकतानुसार कस्टम विकल्प

(Branding, Message Cards, Product Curation)

AMORA GIFTING SOLUTION FROM THE HOUSE OF SHRI GANESHA

CURATED BY RUCHIKA GOYAL | +91 99269 88888 | www.shriganeshagifts.com

fssai Lic No. 20526079002922

GMP CERTIFIED GOOD MANUFACTURING PRACTICE

amora.Gifting
amora.gifting
support@shriganeshagifts.com

Shri Ganesha Gifts

Raipur | Delhi | kolkata | Mumbai | Pune | Bengaluru

To Access Diwali 2026 Catalogue SCAN HERE

एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ये भी कहा जाने लगा है कि एसआईआर व ज्ञानेश कुमार तो केवल बहाना है, असली मकसद सत्ता हथियाना है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर, इस विरोध के बहाने भौंडा प्रदर्शन कर खुद को चर्चा में लाने की युवाओं की कोशिश भी खतरनाक रूप धारण कर रही है। प्रदर्शन के बीच में ही कुछ स्वयंभू पत्रकार भी अपनी रोटियां सेंकते दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सिर्फ एक मोबाइल और माइक लेकर आप पत्रकार बन सकते हैं? प्रशासन के लिए ऐसे लोगों को पहचानना कठिन होता है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई लोगों ने खुद को मीडिया कर्मी बताकर बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। कुल मिलाकर, सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर की आड़ में सत्ता की सियासत



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति में कई बार किसी आंदोलन की शुरुआत एक मुद्दे से होती है, लेकिन धीरे-धीरे उसका दायरा बढ़ने लगता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद भी अब इसी मोड़ पर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार भी बताया। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।

एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है। लेकिन इस प्रक्रिया का दूसरा पहलू भी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से हट जाता है, तो वह अपने सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हो सकता है।

इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। किसी का नाम हटाने से पहले उचित जांच होनी चाहिए और प्रभावित व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। हालांकि, आरोप लगना और आरोप साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग अपने फैसलों और कामकाज को लेकर जवाब दे। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उनके इस बयान के बाद बीजेपी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।
एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है।



राजनीतिक लड़ाई की परत

इस विवाद को सीधे सरकार बदलने की लड़ाई बताया जाने लगता है, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि आंदोलन का राजनीतिक लक्ष्य कितना व्यापक हो चुका है। प्रशांत भूषण के बयान का राजनीतिक महत्व इसी बात में है कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन की मांग को छिपाने के बजाय सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में सरकार बदलने की मांग करना कोई अपराध नहीं है। इस तर्क में अपने आप में कुछ गलत नहीं है।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना होगा। चुनाव के जरिए सरकार बदलने की मांग करना और किसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन चलाना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है। असली सवाल आंदोलन के तरीकों, उसके तथ्यों और उसकी मांगों की वैधता का है। प्रशांत भूषण के बयान से इतना जरूर स्पष्ट होता है कि आंदोलन के कुछ प्रमुख चेहरे अब इसे केवल चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला नहीं मान रहे। वे इसे केंद्र की सरकार के खिलाफ व्यापक राजनीतिक संघर्ष के रूप में देख रहे हैं। विपक्ष की रणनीति को समझने में मदद जरूर मिलती है।

सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी नारों में शामिल

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए भी ठोस आधार होना चाहिए। खैर, अब यह कहना कठिन है कि आंदोलन केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक सीमित है। सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी इसके प्रमुख राजनीतिक नारों में शामिल हो चुका है। एक बात साफ है कि किसी लोकतंत्र में सत्ता बदलने का सबसे मजबूत और स्वीकार्य रास्ता चुनाव ही है। विपक्ष को लगता है कि मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, तो उसे जनता के बीच जाना चाहिए, अपने तर्क रखने चाहिए और समर्थन जुटाना चाहिए। सरकार को भी अपने कामकाज और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देना चाहिए। अब इस विवाद को केवल प्रशांत भूषण के बयान या ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह चुनाव आयोग पर भरोसे, मतदाता के अधिकार और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति-तीनों की परीक्षा है। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विवाद के पीछे सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य मौजूद है, यह बात साफ है। लेकिन सत्ता परिवर्तन की इच्छा को अपने आप में गलत ठहराना भी लोकतांत्रिक सोच नहीं होगी। पर सत्ता परिवर्तन तो चुनाव के माध्यम से ही होगा। ये बात विपक्ष को समझनी होगी। लोकतंत्र में सत्ता की लड़ाई आखिरकार जनता की अदालत में ही तय होनी चाहिए।

आरोपों की जांच होनी चाहिए

मतदाता सूची का विवाद अब राजनीतिक सत्ता और सरकार की वैधता पर चल रही बड़ी बहस का हिस्सा बन गया है। चुनाव आयोग के हर फैसले को राजनीतिक साजिश बताना भी उचित नहीं है। किसी निर्णय से असहमति होने पर उसके खिलाफ कानूनी और संवैधानिक रास्ते खुले हैं। आरोपों की जांच होनी चाहिए और जहां गलती साबित हो, वहां सुधार भी होना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का अभियान इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। क्या शिकायतें दस्तावेजों और तथ्यों से साबित होती हैं? क्या संबंधित अधिकारियों ने नियमों का पालन किया? क्या प्रभावित मतदाताओं को न्याय पाने का पर्याप्त अवसर मिला? इन सवालों के जवाब किसी राजनीतिक नारे से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और न्यायिक समीक्षा से मिलने चाहिए। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को चुनौती देने वाली विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग और संबंधित पदाधिकारियों से जवाब मांगा। यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत में याचिका स्वीकार किए जाने या नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि आरोप साबित हो गए हैं।

रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती

इससे यह जरूर स्पष्ट होता है कि विवाद के कानूनी पहलुओं की जांच का रास्ता खुला है। विपक्ष के सामने अब अपनी रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती है। यदि उसका मुख्य आरोप मतदाता सूची में गड़बड़ियों का है, तो उसे ठोस उदाहरण, दस्तावेज और प्रभावित मतदाताओं के प्रमाण सामने रखने चाहिए। यदि वह सरकार बदलना चाहता है, तो यह उसका राजनीतिक अधिकार है। लेकिन इन दोनों बातों को एक ही मान लेना उचित नहीं होगा। किसी सरकार का विरोध करना और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी की जांच मांगना अलग-अलग उद्देश्य हो सकते हैं। भाजपा को भी केवल 'सत्ता हथियाने' का आरोप लगाकर मूल सवालों से बचना नहीं चाहिए। यदि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह सही है, तो सरकार और चुनाव आयोग को तथ्यों के आधार पर अपना पक्ष रखना चाहिए। जवाब देने से ही संस्थाओं पर भरोसा मजबूत होगा। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनता को केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर अपना फैसला करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप गंभीर है।

लोकतंत्र का मंच या लाइक्स पाने का प्रपंच



प्रदर्शन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

आज का दौर सोशल मीडिया का है, जहां 'अटेंशन इकॉनमी' यानी आपका ध्यान खींचने की अर्थव्यवस्था का बोलबाला है। इस डिजिटल युग में यह कहावत आम है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। हाल के दिनों में, एसआईआर यानी स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के विरोध की आड़ में देश के विभिन्न हिस्सों में जिस प्रकार के भौंडे, उग्र और सनसनीखेज प्रदर्शन देखने को मिले हैं, उन्होंने चिंतकों, समाजशास्त्रियों और नीति-निर्माताओं को गहरी चिंता में डाल दिया है। जब युवा पीढ़ी अपने किसी असंतोष को व्यक्त करने के लिए शालीन लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर तमाशेबाजी, उपद्रव और रातों-रात सोशल मीडिया पर 'वायरल' होने की सनक का सहारा लेती है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बल्कि खुद उन युवाओं और देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बन जाता है। आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है। पारंपरिक रूप से विरोध प्रदर्शन वैचारिक स्पष्टता, लंबे संघर्ष, और लोकतांत्रिक बहसों पर आधारित होते थे। इसके विपरीत, आज के भौंडे प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य वैचारिक विरोध जताना नहीं बल्कि किसी भी तरह कैमरे की नजर में आना और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम में ट्रेंड करना होता है। युवा तत्काल संतुष्टि यानी इंस्टेंट ग्रेटिफिकेशन के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब प्रदर्शनों में शालीनता के स्थान पर अमर्यादित नारेबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सोशल मीडिया पर सनसनीखेज रील्स बनाने को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि विरोध का वास्तविक मुद्दा पीछे छूट चुका है और व्यक्तिगत ख्याति या अराजकता का आनंद आगे आ गया है। एल्गोरिदम का मनोविज्ञान यह है कि यहां 'सनसनी' और 'उग्रता' ही बिकती है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब (शॉर्ट्स), एक्स (ट्विटर) और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम का मुख्य उद्देश्य यूजर को अधिक से अधिक समय तक ऐप पर रोके रखना है ताकि विज्ञापन से राजस्व कमाया जा सके। डेटा विज्ञान यह साबित करता है कि मानव मस्तिष्क तटस्थ या न्यूट्रल कंटेंट की तुलना में अत्यधिक उत्तेजक, क्रोधित करने वाली या सनसनीखेज सामग्री पर तेजी से प्रतिक्रिया देता है। जब कोई युवा किसी सामान्य, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की तस्वीर डालता है तो उसे सीमित 'व्यूज' मिलते हैं। यदि वह कोई उग्र नारेबाजी, पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक, या कोई भौंडा स्टंट करता हुआ वीडियो पोस्ट करता है, तो एल्गोरिदम उसे तेजी से 'बूस्ट' कर देता है। रातों-रात मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवा मस्तिष्क में डोपामाइन (खुशी और उत्साह देने वाला हॉर्मोन) का तेज संचार करते हैं, जिसके कारण उसे इस प्रकार की हरकतों को दोहराने यानी 'वायरलिटी' की लत लग जाती है। डिजिटल युग में युवाओं के बीच 'इंस्टेंट फेम' और 'क्लाउट चेसिंग' यानी हर कीमत पर ऑनलाइन चर्चा में बने रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आधुनिक जीवनशैली में कई युवा खुद को उपेक्षित या गुमनाम महसूस करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे खुद को 'हीरो' या किसी बड़े आंदोलन का नायक साबित कर सकते हैं। युवा भूल जाते हैं कि वे जिस मुद्दे के लिए सड़क पर उतरे हैं, उसकी गंभीरता क्या है; उनका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि उनका कैमरा किस एंगल से सबसे नाटकीय दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को ऐसी सामग्री से लगातार घेरते रहते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच या गुस्से को सही ठहराती है। जब एक युवा लगातार अपनी फीड में उग्र और भड़काऊ वीडियो देखता है तो उसका मस्तिष्क यह मानने लगता है कि चरम कदम उठाना ही एकमात्र और सही रास्ता है। भारत का संविधान अपने नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मौलिक अधिकार देता है। परंतु जब इस अधिकार का दुरुपयोग कर इसे उपद्रव और तमाशे में बदला जाता है तो इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वागत है परंतु असहमति जब अनुशासनहीनता और अराजकता का रूप ले ले तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बन जाती है। उग्र प्रदर्शनों में युवा अकसर व्यक्तिगत विवेक खो बैठते हैं और भीड़ का हिस्सा बनकर ऐसा कुछ कर बैठते हैं जो वे सामान्य स्थिति में कभी नहीं करते। यह प्रवृत्ति समाज में कानून के शासन को कमजोर करती है। आज की युवा पीढ़ी में 'शॉर्टकट' की मानसिकता घर कर गई है। विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले युवा अकसर इस बात से अनजान होते हैं कि वे अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे केवल युवा अकेले जिम्मेदार नहीं है बल्कि समकालीन समाज और मीडिया का परिवेश भी समान रूप से उत्तरदायी है। कई बार मीडिया उपद्रवी तत्वों को जरूरत से ज्यादा सनसनीखेज कवरेज देते हैं। दूसरी ओर परिवारों और शिक्षण संस्थानों में वैचारिक परिपक्वता, सहनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाद में कमी आई है। युवाओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि ऊर्जा का सकारात्मक दोहन किस प्रकार किया जाए।

आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है।

अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आएं



एसआईआर विवाद

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

एसआईआर विवाद हाल के दिनों में भारतीय राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी विमर्श का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण तथा संवेदनशील विषय बनकर उभरा है। किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र में सरकार की नीतियों से असंतोष जताना, सवाल उठाना, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराना और अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करना नागरिकों का एक मौलिक और संवैधानिक अधिकार है।

जब कोई आंदोलन किसी व्यापक और जटिल विवाद का रूप ले लेता है, तो उस आंदोलन के पीछे के उद्देश्यों, उसमें शामिल घटकों और उस पर शासन व न्यायप्रणाली की प्रतिक्रियाओं का निष्पक्ष, सूक्ष्म और गंभीर विश्लेषण करना अनिवार्य हो जाता है। हालिया प्रदर्शनों के संदर्भ में लगातार इस तरह के आरोप लग रहे हैं कि सत्ताधारी दल या कुछ खास स्वार्थी समूहों से जुड़े लोग जानबूझकर इन प्रदर्शनों में घुसपैठ करते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ प्रदर्शनकारी या आंदोलन के आयोजक एक विशेष प्रकार की रणनीति या टूलकिट तैयार करते हैं। इसके तहत समर्थकों को खास तरह की वेशभूषा या धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे लाल गमछा पहनना, सिर पर टीका लगाना या विशेष वस्त्र धारण करने का प्रयोग करके प्रदर्शन में शामिल होने का निर्देश दिया जाता है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य यह बताया जाता है कि यदि कोई अप्रिय घटना घटे या पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाए, तो इन प्रतीकों के आधार पर सहानुभूति बटोरी जा सके। लेकिन इन तमाम राजनीतिक दावों, रणनीतियों और आरोपों से परे इस बुनियादी पहलू पर ध्यान देना बेहद जरूरी है कि विरोध प्रदर्शनों में आने वाले लोग शायद स्वतः स्फूर्त तरीके से सड़कों पर उतर रहे हों। हमारे देश का एक बड़ा वर्ग ऐसा हो सकता है जो किसी राजनीतिक दल के बहकावे, उकसावे या टूलकिट का हिस्सा बने बिना, केवल अपने नागरिक कर्तव्यों और लोकतांत्रिक निष्ठा के कारण बाहर आ रहा हो। जब आम नागरिकों को यह आभास होता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है, उनकी चिंताओं की उपेक्षा की जा रही है या देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया जा रहा है, तो वे स्वतः ही एकजुट होकर अपनी आवाज उठाने लगते हैं। यह स्वतःस्फूर्त भागीदारी नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता और लोकतंत्र में उनके गहरे विश्वास का प्रमाण है। इसलिए, प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, आंदोलन चाहे कितना भी बड़ा या स्वतःस्फूर्त क्यों न हो, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि जनता के वास्तविक आक्रोश और असंतोष का इस्तेमाल कुछ महत्वाकांक्षी लोग अपने निजी फायदे के लिए करते हैं। यदि कोई आंदोलन किसी संकीर्ण स्वार्थ के तहत संचालित हो रहा है, तो वह अंततः समाज में विभाजन और अस्थिरता ही पैदा करता है। वर्तमान डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में किसी भी आंदोलन के दौरान उग्रता या हिंसा के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स तेजी से वायरल हो जाते हैं। इन वीडियो के आधार पर अक्सर तुरंत यह धारणा बना ली जाती है कि पूरा का पूरा आंदोलन ही हिंसक और उग्र है। परंतु हमारी न्याय प्रणाली और विधि व्यवस्था इस बात पर विशेष जोर देती है कि जब तक ठोस और प्रामाणिक साक्ष्य न मिल जाएं, तब तक केवल सोशल मीडिया पर तैर रहे किसी वीडियो या अधूरी क्लिप को अंतिम सत्य मानकर किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। इसके साथ ही, लोकतंत्र में यदि किसी मुद्दे, नीति या कानून के विरोध में लोग सड़कों पर आएंगे, तो उस नीति या कानून के समर्थन में भी कुछ लोग जरूर खड़े होंगे। लोकतंत्र विचारों की विविधता का नाम है, जहां समर्थन और विरोध दोनों के लिए समान स्थान होता है। लेकिन विरोध या समर्थन का अधिकार किसी को भी हिंसा करने या कानून हाथ में लेने की छूट नहीं देता। सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे।



प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए।

पत्रकारिता की प्रतिष्ठा पर गहराता संकट



चौथा स्तंभ

चरण जीत

स्वतंत्र स्तंभकार

किसी भी देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए मुख्यतः चार स्तम्भों की चर्चा की जाती है। लोकतंत्र के चार स्तम्भों के रूप में प्रायः विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का उल्लेख किया जाता है। वैसे तो सभी स्तम्भ महत्पूर्ण हैं, लेकिन मीडिया को इसलिए सबसे मत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता के अभाव में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सत्ता के अनुचित दबाव का खतरा बढ़ जाता है। जिस देश का मीडिया स्वतंत्र नहीं होता, वहां सरकारें अपनी मनमानी करती हैं। इसी बिंदु पर एक दूसरा प्रश्न उठता है। क्या मीडिया की स्वतंत्रता के साथ कुछ क़ानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां भी नहीं जुड़ी होनी चाहिए? यदि पत्रकारिता के नाम पर कुछ लोग पेशेवर मर्यादाओं का उल्लंघन करने लगें तो पुरे मीडिया संस्थान और पत्रकारिता के पेशे की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं।

हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में, खासकर दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले आन्दोलनों से कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारिता का दावा करने वाले लोगों का व्यवहार सवालों के घेरे में है। जुलाई में होने वाले नीट आंदोलन से लेकर एसआईआर विवाद में कुछ ऐसे लोग सामने आए हैं, जो स्वयं को पत्रकार बताते हैं लेकिन वो पत्रकारों की अपेक्षा किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं जैसे अधिक प्रतीत होते हैं। हाथ में मोबाइल और कॉलर पर एक माइक लगा कर घूमते युवक-युवतियां जिस तरह से प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सामने अकड़कर खड़े होते हैं, वह व्यवहार कई बार विवाद का कारण बनता है। अनावश्यक और असंगत प्रश्न करते हैं। जवाब न मिलने या फटकार दिए जाने पर स्वयं को पीड़ित बताने लगते हैं। ऐसी घटनाओं से पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं और पूरे समुदाय की छवि धूमिल होती है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में आम नागरिकों तक पहुंचने वाले संचार माध्यम अनियंत्रित हो जाएं, सही और सटीक तथ्य पहुंचाने की बजाय भ्रामक सूचनाएं फैलाने लगें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और मीडिया की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठेंगे। क्योंकि अधूरी या भ्रामक जानकारी समाज तनाव, भ्रम और टकराव पैदा कर सकती है। नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा इस विचार के साथ विकसित हुई कि देश के दूर-दराज इलाकों में मौजूद समस्याएं सरकार और प्रशासन तक पहुंच सकें। जिन स्थानों पर मुख्यधारा के पत्रकार नहीं पहुंच पाते, वहां की ज़मीनी सच्चाई भी सनसनीखेज थंबनेल के साथ वीडियो अपलोड करते हैं। हाथ में मोबाइल और माइक पकड़े हुए कोई व्यक्ति वास्तव में पेशेवर पत्रकार है या किसी जिम्मेदार मीडिया संस्थान का प्रतिनिधि है या स्वतंत्र कॉन्टेंट क्रिएटर है, यह स्पष्ट होना चाहिए। उसकी भूमिका और संबद्धता के बारे में पारदर्शिता होनी चाहिए। एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लागू नियमों और सम्बन्धित आचार संहिताओं का पालन सुनिश्चित करते हुए या स्पष्ट होना चाहिए कि व्यक्ति किसी मीडिया संस्थान से जुड़ा है या स्वतंत्र रूप से सामग्री तैयार करता है। अन्यथा निश्चित मर्यादाओं के अभाव में यह अनुमान लगाना कठिन होगा कि अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना सूचना प्रसार से कब गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आत्म-सुधार और जवाबदेही की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।



एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹110527/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹134990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹147354/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
*Conditions apply
anand Jewels
Pandri, Raipur

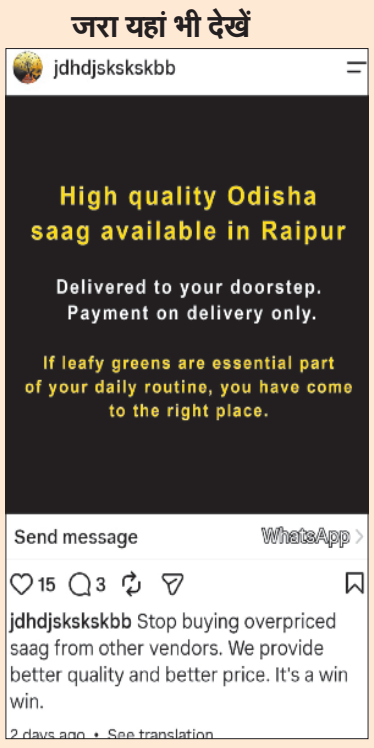
बेखौफ तस्कर, गांजे के लेनदेन की खबर प्रकाशित होने के बाद भी डील, रायपुर भी पहुंच गया



इंस्टा पर 'ओडिशा साग' का विज्ञापन, ग्राहक बनकर हरिभूमि-आईएनएच ने बिछाया जाल, तस्कर ओडिशा से रायपुर पहुंचा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

खुलेआम विज्ञापन

जरा यहां भी देखें



गिरीश केसरवानी के साथ मनोज नायक

इंस्टाग्राम पर विज्ञापन, व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क, घर तक डिलीवरी और सामान मिलने पर भुगतान। ऑनलाइन खरीदारी का यह तरीका गांजे की तस्करी में भी इस्तेमाल किए जाने का खुलासा हरिभूमि और आईएनएच न्यूज चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में हुआ है। इंस्टाग्राम पर 'ओडिशा साग' के नाम से रायपुर में उपलब्धता का दावा किया गया था। टीम ने ग्राहक बनकर ओडिशा के टिटलागढ़ में सक्रिय एक पैडलर से संपर्क किया और गांजे का सौदा तय किया। शुरुआत में 200 ग्राम गांजा देने की बात हुई, लेकिन बातचीत के बाद सौदा आधा किलो गांजे तक पहुंच गया। डिलीवरी देने के लिए पैडलर खुद ओडिशा से रायपुर पहुंचा। हरिभूमि-आईएनएच ने इसकी खबर रायपुर ▶▶|शेष पेज 4 पर

हरिभूमि लाइव

इंस्टाग्राम पोस्ट से शुरू हुई पड़ताल

*इंस्टाग्राम पर एक अकाउंट से '**High quality Odisha saag available in Raipur**' लिखकर पोस्ट की गई थी। इसमें रायपुर में घर तक डिलीवरी और केवल सामान मिलने पर भुगतान करने की बात कही गई थी। पोस्ट के कैप्शन में दूसरे विक्रेताओं से बेहतर गुणवत्ता और कम कीमत का दावा भी किया गया था। हरिभूमि-आईएनएच की टीम ने इसी विज्ञापन के आधार पर पड़ताल आगे बढ़ाई। टीम ने ओडिशा के टिटलागढ़ के एक पैडलर से संपर्क किया।* ▶▶|शेष पेज 4 पर

हरिभूमि-आईएनएच की रिपोर्ट पर पुलिस का एक्शन युवक को गिरफ्तार कर जीआरपी को सौंपा



हरिभूमि ने 8 अक्टूबर को खबर प्रकाशित की थी

हैरत की बात यह है कि इसी पैडलर से हुई बातचीत की खबर हरिभूमि ने 8 अक्टूबर को प्रकाशित की थी। तस्कर ने उस वक्त वाट्सएप के जरिए गांजा सप्लाई करने के संदर्भ में बात की। मोलभाव किया। हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद भी तस्कर सप्लाई के लिए तैयार हो गया। ▶▶|शेष पेज 4 पर

ट्रेन आउटर पर रुकी फिर स्टेशन पहुंचा

दोपहर पौने तीन बजे के करीब टीम ने पैडलर से संपर्क किया तो उसने ट्रेन के आउटर पर खड़ी होने की बात कही। उसने अपनी लाइव लोकेशन भी भेजी और टीम को वहां पहुंचने के लिए कहा। टीम ने आउटर पर आने से इनकार किया तो उसने इंतजार करने को कहा। करीब आधे घंटे के ▶▶|शेष पेज 4 पर

85 किलो गांजा जब्त

मध्यप्रदेश के तस्करों को गांजा की डिलीवरी देते तीन गिरफ्तार



रायपुर। ओडिशा, बलांगीर से गांजा तस्करी कर मध्यप्रदेश के तस्करों को डिलीवरी देने पहुंचे तीन गांजा तस्करों को सिविल लाइंस पुलिस, एसीसीयू तथा एंटी नारकोटिक्स की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से 85 किलो गांजा जब्त किया है। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल कार भी पुलिस ने जब्त की है। जब्त गांजा तथा अन्य सामान की कीमत 58 लाख रुपए से आंकी गई है। गांजा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने मध्यप्रदेश, सागर निवासी अनीश साहू, मध्यप्रदेश, मंडला निवासी राकेश साहू, ▶▶|शेष पेज 4 पर

गांजा तस्कर के साथ डील

- **पैडलर :** मैसेज देखिए कि नहीं आप मेरा?
- ***रिपोर्टर:*** *ग्राम कम हो जाएगा, मेरे कुछ कस्टमर भी हैं, थोड़ा रेट ज्यादा हो रहा है। नौ मंहगा पड़ रहा है ना, आप तो मेरे को बताए थे 15 में दे देंगे करके, फिर आप रेट बढ़ा रहे हो , ऐसे में अपने ग्राहकों के साथ थोड़ी ये हो जाएगी ना, ग्राहक फिर असंतुष्ट हो जाएंगे।*



- **पैडलर** - *सर, सुनिए ना सर, कि मतलब जब मैं एक किलो लूंगा, देने जाऊंगा, उस बार मैं आपको 15 में ही दे दूंगा, ठीक है?*
- ***रिपोर्टर:*** *लेकिन ज्यादा पड़ रहा है ना दोस्त, इसमें नहीं पूरा रह रहा है ना अपने को 20 इस बार कम कर दीजिए।*
- **पैडलर** - *साढ़े आठ कर देता हूं। तो कहां मुलाकात होगी? मैं स्टेशन पहुंचने के बाद आपको कॉल करूंगा।*
- ***रिपोर्टर:*** *स्टेशन पहुंचने के बाद... आठ में अगर पूरा रह रहा है* ▶▶|शेष पेज 4 पर

विकास पर होगी बात

हरिभूमि-आईएनएच जिला संवाद 23 को बालोद में


डॉ. हिमांशु द्विवेदी


विजय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

विष्णुदेव साय सरकार के ढाई साल पूरा होने पर हरिभूमि-आईएनएच जिला संवाद 23 अक्टूबर को बालोद में आयोजित किया जाएगा। संवाद में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं और अन्य प्रमुख हस्तियों से जिले के मुद्दों, विकास और विकास की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा प्रमुख रूप से शिरकत करेंगे।

बालोद के माहेश्वरी भवन गंजपारा में 23 अक्टूबर शुक्रवार को शाम साढ़े चार बजे से आयोजित जिला संवाद में छह सत्रों में जिले के विकास पर जीवंत चर्चा होगी। स्थानीय सांसद भोजराज नाग, विधायक संगीता सिन्हा, अनिला भेड़िया, कुंवर सिंह निषाद के अलावा इन विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों से तीखे सवाल होंगे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारिणी चंद्राकर भी होंगी। वहीं भाजपा और कांग्रेस के जिलाध्यक्ष भी जिले के विकास पर चर्चा में हिस्सा लेंगे। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा और एसपी किरण गंगाराम चौहान जिले के प्रशासन ▶▶|शेष पेज 4 पर

मोटी फीस के कारण एनआरआई कोटे का मोह कम, छत्तीसगढ़ में 87 रिक्त

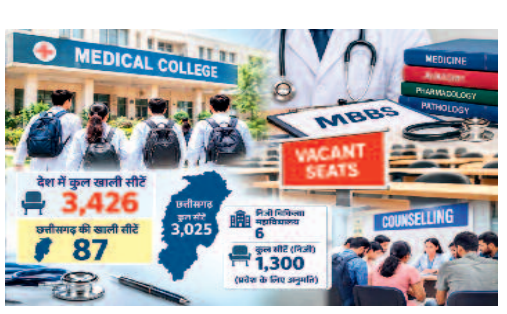
इंजीनियरिंग की राह पर एमबीबीएस! मॉपअप के बाद देश में 3426 सीटें खाली

जिस तरह देश में मेडिकल कालेजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है उस हिसाब से आने वाले दिनों इसका हाल भी इंजीनियरिंग और नर्सिंग जैसा होने की आशंका बनने लगी है। तीन राउंड की कांउसिलिंग पूरी होने के बाद देश में एमबीबीएस की 3426 सीटें खाली है इनमें छत्तीसगढ़ की 87 सीट शामिल है। जानकारों का तर्क है कि निजी मेडिकल कालेजों में मोटी फीस वाले एनआरआई कोटे की तरफ लोगों का मोह कम हुआ है। वहीं निजी मेडिकल कालेजों की संख्या के साथ यूजी की सीट भी तेजी से बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ में कुल 3 हजार 25 एमबीबीएस की सीटें हैं। इनमें से 6 निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में 1300 सीटों को प्रवेश के लिए अनुमति प्रदान की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

देश में मेडिकल कालेजों की बाढ़ सी आ गई है। निजी के साथ शासकीय सेक्टर में भी दनादन कालेज खुल रहे है जिससे एमबीबीएस की सीटों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस बार देशभर के करीब 836 चिकित्सा महाविद्यालयों में 1 लाख 40 हजार से ज्यादा एमबीबीएस की सीटों पर एडमिशन दिलाने की कवायद की जा रही है। तीन राउंड यानी मॉपअप के बाद विभिन्न राज्यों के चिकित्सा महाविद्यालयों में यूजी की थोक में सीटें खाली रह गई है। आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में देशभर में एमबीबीएस ▶▶|शेष पेज 4 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव



निजी सेक्टरों में तेजी से बढ़ रही मेडिकल की सीटें, निजी कालेजों में 1300 पर एडमिशन

थोक में डाक्टर तो आकर्षण होगा कम

चिकित्सा की पढ़ाई के एक अलग आकर्षण होता है। जिस तरह राज्यों में एमबीबीएस के सीटों की संख्या बढ़ रही उस हिसाब से पांच साल के बाद छत्तीसगढ़ में हर साल ढाई से तीन हजार से ज्यादा डाक्टर तैयार होंगे। इनकी संख्या के हिसाब से रोजगार के अवसर कम होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है आने वाले समय में एमबीबीएस का हाल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वालों जैसा होकर रह जाएगा। खासतौर पर केवल एमबीबीएस करने वालों के सामने संकट खड़ा हो सकता है।

राज्य में अभी 21 कालेज

राज्य में अभी शासकीय और निजी मेडिकल कालेजों की संख्या 21 हो चुकी है। इनमें 15 सरकारी कालेज हैं जिनकी संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ने की पूरी संभावना है। निजी सेक्टर में मेडिकल कालेजों की एंट्री होने से इंकार नहीं किया जा रहा है। इस बार शासकीय कालेजों में एमबीबीएस की 1725 तथा प्रायवेट में 1300 सीटों पर एडमिशन दिए जाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। एमबीबीएस की तरह बीडीएस की करीब 93 सीटों पर एडमिशन दिए जाने का काम अधूरा है।

एनआरआई सीट के कारण संख्या ज्यादा

तीन राउंड के एडमिशन के बाद एनआरआई सीट के निजी मेडिकल कालेज के प्रबंधन कोटे में परिवर्तित किया गया है जिससे संख्या ज्यादा दिख रही है। शासकीय और प्रबंधन कोटे की सीटों पर प्रवेश लगभग पूरा हो चुका है। आम तौर पर तीसरे राउंड के बाद विभिन्न कारणों से काफी संख्या में सीटें शेष रहती है जो पात्र अभ्यर्थियों को चौथे दौर आवंटित किया जाता है।

-डा. विष्णु दत्त, पूर्व डीएमई

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही, पीडब्ल्यूडी के 13 अफसरों को नोटिस



संतोषजनक निराकरण नहीं होने पर शासन ने दिखाई सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीएम हेल्पलाइन-1076 पर नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर लोक निर्माण विभाग ने 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें तीन अधीक्षण अभियंता, पांच कार्यपालन अभियंता और पांच अनुविभागीय अधिकारी शामिल हैं। विभागीय समीक्षा में सामने आया कि अधिकारियों ने कई शिकायतों को संतोषजनक समाधान की जानकारी दिए ही बंद कर ▶▶|शेष पेज 4 पर

खास खबर

15 दिन में देना होगा लिखित जवाब

सभी संबंधित अधिकारियों को नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर लोक निर्माण विभाग के सचिव के समक्ष अपना लिखित प्रतिवाद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय-सीमा में जवाब नहीं मिलने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई के जरिए विभाग ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों को केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए बंद करना स्वीकार्य नहीं होगा। शिकायतों का निराकरण ऐसा होना चाहिए, जिससे नागरिकों की समस्या के समाधान की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो और पोर्टल पर दर्ज जानकारी भी सही बनी रहे।

रूस के तेल प्रतिबंधों में छूट, भारत पर 100% टैरिफ का खतरा टला!

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पांच देशों को दी राहत, पर अनिश्चितता बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय हितों का हवाला देते हुए रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी कानून के तहत प्रतिबंधों, पाबंदियों और शुल्कों से छूट दी है। ट्रंप ने शुक्रवार रात जारी एक कार्यकारी आदेश में कहा कि कुछ प्रतिबंधों को लागू नहीं करना अमेरिका के 'राष्ट्रीय हित' में है। ट्रंप ने कहा, मैं ग्राहम कानून के तहत ऐसे प्रतिबंधों, पाबंदियों और शुल्कों को लागू करने से छूट दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिकी संसद को एक प्रमाणपत्र सौंपा है, जिसमें कहा गया है कि इस समय ऐसी छूट देना अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है।



लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम ट्रंप को मॉस्को पर व्यापक प्रतिबंध लगाने और रूस से सबसे अधिक तेल एवं गैस खरीदने वाले देशों, जिनमें चीन और भारत शामिल हैं, पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार देता है।

क्या था प्रावधान

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' नामक कानून पर हस्ताक्षर किए थे। इस कानून के तहत ट्रंप को 30 दिन का समय दिया गया था कि वे रूसी कच्चे तेल के शीर्ष पांच खरीदारों, चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अज़रबैजान से आने वाले सभी सामानों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएं। साथ ही, इसमें कई रूसी संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने और रूस से अमेरिका में आयात होने वाले ऊर्जा उत्पादों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान था। एक महीने की यह समय-सीमा 18 अक्टूबर को समाप्त होने वाली थी।

न्यू जनता स्वीट्स, मां अंबे, स्वीट हट एंड बेकर्स और रायपुर ढाबा में मिली बड़ी लापरवाही

फील्ड में खुद उतरे कंट्रोलर, मिठाइयों में कॉकरोच मक्खियां देख भड़के, 4 दुकानों का लाइसेंस सस्पेंड

एफडीए टीम के साथ स्वयं जांच के लिए उतरे नियंत्रक दीपक अग्रवाल, 150 किलो मिठाई नष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ग्राहकों को बेचने के लिए दुकानों में सजाकर रखी मिठाइयों में कॉकरोच और मक्खियां भिनभिना रही थीं। रखे पनीर में गंदगी के मिलावट का संदेह भी था। जांच के लिए तेलीबांधा के चार प्रतिष्ठानों में पहुंची खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है। न्यू जनता स्वीट्स, मां अंबे, स्वीट हट एंड बेकर्स और रायपुर ढाबा में जांच के लिए स्वयं एफडीए के कंट्रोलर दीपक अग्रवाल फील्ड पर उतरे थे। जांच के बाद प्रतिष्ठानों से जब्त 150 किलो मिठाई और 10 किलो पनीर नष्ट कराया गया।

शनिवार को जांच टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तेलीबांधा इलाके के चार बड़े व्यावसायिक ▶▶|शेष पेज 4 पर

हरिभूमि खास





गंदगी पर कंट्रोलर की फटकार: खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक अग्रवाल पहली बार जांच के लिए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक पहुंचे। जांच के दौरान गंदगी मिलने पर उन्होंने संचालकों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं सुरक्षित रखरखाव के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। खाद्य कारोबारियों के लिए निर्धारित स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।





सैंपल भी उठाए गए

मिठाई दुकानों की जांच के बाद विभागीय टीम ने क्वालिटी की जांच के लिए इन दुकानों से खोवा, कुंदा, पनीर, बूंदी, बेसन के लड्डू, कलाकंद एवं छेने से बनी मिठाइयों सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। अभिहित अधिकारी विनोद गुप्ता ने बताया कि प्रयोगशाला की ▶▶|शेष पेज 4 पर



हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 18 अक्टूबर 2026

विशेषः विजय दशमी, 20 अक्टूबर



आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

विजय दशमी का पर्व आततायी रावण पर श्रीराम की विजय के उल्लास में मनाया जाता है। लेकिन श्रीराम का विराट चरित्र केवल रावण का वध करने की वजह से ही हमारे लिए पूजनीय नहीं है। वे अगर युगों से आज भी भारतीय जनमानस में आदर्श पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिष्ठित हैं, तो इसकी वजह है कि उन्होंने संपूर्ण मनुष्यता के लिए मर्यादा स्थापित की। इसीलिए अनेक भाषाओं, संस्कृति और सभ्यताओं में वे प्रतिष्ठित हैं।

भारत के जन-मन में युगों से विराजमान हैं श्रीराम

सदियों से विजय दशमी की रात रावण का पुतला दहन किया जाता है। आतिशबाजी थमती है। भीड़ लौट जाती है और मैदान में बच जाती है कुछ राख। लेकिन श्रीराम की कथा यहीं नहीं खत्म होती। अगले दिन भी श्रीराम मौजूद रहते हैं, अगले वर्ष भी और अगली पीढ़ी में भी। यही श्रीराम की सबसे बड़ी विशेषता है। वे किसी एक कथा के नायक नहीं हैं, समूची भारतीय सभ्यता के अविराम नायक हैं। 'अविराम' यानी जिसके प्रवाह में कोई विराम न हो। राम का यही स्वरूप उन्हें दूसरे महान चरित्रों से अलग एक विशिष्ट प्रतिष्ठा प्रदान करता है। वे किसी एक ग्रंथ में बंद नहीं हैं, किसी एक भाषा के नहीं हैं और न ही किसी एक युग भर की जरूरत हैं। वे जितने वाल्मीकि के हैं, उतने ही तुलसी के हैं। जितने संस्कृत के हैं, उतने ही अवधी के हैं। वह जितने तमिल, तेलुगू, बांग्ला, उड़िया, मराठी, मलयालम के हैं, उतने ही असंख्य लोकभाषाओं के भी हैं। वह जितने ग्रंथों में हैं, उससे कहीं ज्यादा लोकस्मृति और लोकचेतना में भी व्याप्त हैं।

आत्मसंयम की विराट चेतना

श्रीराम की पहली विराट साहित्यिक छवि हमें वाल्मीकि के रामायण में मिलती है। यहां श्रीराम का नायकत्व केवल उनके शौर्य में नहीं है, वे एक ऐसे महापुरुष के रूप में सामने आते हैं, जिसके सामने जीवन लगातार अपने कठिन से कठिन निर्णय रखता है। राजपाट छोड़ना, वन गमन, प्रिय का वियोग सहना, मित्र बनाना, युद्ध करना और विजय के बाद अयोध्या लौटना। श्रीराम की यात्रा दरअसल, बाहरी युद्ध से कहीं अधिक अंतर्संघर्ष की यात्रा है। यही कारण है कि श्रीराम के नायकत्व को आत्मसंयम की विराट चेतना माना जाता है। भारतीय सभ्यता ने उन्हें केवल पूजा नहीं, उन्हें बार-बार इसलिए पुनर्सृजित किया है कि कोई भी युग बिना श्रीराम के आदर्श नायकत्व के अधूरा है।

रामकथा का भौगोलिक विस्तार

तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के माध्यम से राम को लोकभाषा और भक्ति की एक ऐसी धारा में उतारा है, जिसने उन्हें राजमहलों और विद्वानों के संसार से निकालकर आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बना दिया। रामलीलाओं ने उन्हें जनमानस में प्रतिष्ठित किया, लोकगीतों ने उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया, चित्रकला ने उनके अनेक रूप गढ़े, मंदिरों ने उनके लिए असंख्य स्थापत्य रचे और श्रीराम की वर्षों तक चली यात्राओं ने रामकथा को भौगोलिक विस्तार प्रदान किया। अयोध्या से चित्रकूट, पंचवटी से रामेश्वरम तक फैला भूगोल आज भी एक ऐसी सांस्कृतिक स्मृति का विस्तार है, जिसमें रामकथा और उनके साक्षी रहे अनेक स्थल एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं, यही राम की सभ्यतागत महाशक्ति है।







स्थापित किया मर्यादा का आदर्श

भारतीय जनमानस में श्रीराम के साथ ही श्रीकृष्ण और शिव भी युगों से आराध्य हैं। श्रीकृष्ण भारतीय चेतना में जटिल परिस्थितियों के बीच, विवेक, रणनीति और जीवन की बहुरंगी लीला के नायक हैं, जबकि शिव विराग, तप, संहार और पुनर्सृजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्रीराम का विराट स्वरूप ऐसा है कि वे संसार से दूर नहीं जाते और न ही हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के मुताबिक मोड़ते हैं। वे संसार के भीतर रहकर मर्यादा का अर्थ खोजते हैं। श्रीकृष्ण हमें बताते हैं कि जटिल संसार में धर्म को कैसे पहचाना जाए? शिव हमें चेताते हैं कि आसक्ति से परे उठना क्या होता है? लेकिन राम अपने जीवन से संदेश देते हैं कि मनुष्य होकर अपनी शक्ति, इच्छा और अधिकार को मर्यादा में कैसे रखा जाए? इसलिए श्रीराम का चरित्र भारतीय सभ्यता के लिए केवल धार्मिक आदर्श नहीं है, उनके जीवन से आदर्श सामाजिक संरचना का भी एक आधार रूप निर्मित होता है।

सामाजिक सहभागिता के पोषक

श्रीराम की कथा में एक और महत्वपूर्ण बात निहित है। उनकी विजय अकेले उनकी विजय नहीं है। राम जब वन में जाते हैं तो निषादराज उनके साथ मित्रवत खड़े दिखाई देते हैं। सुग्रीव और वानर समुदाय उनके संघर्ष में सहभागी बनते हैं। हनुमान, उनकी शक्ति का विस्तार बनते हैं, तो विभीषण शत्रु पक्ष से निकलकर उनके साथ आते हैं। कहने का मतलब रामकथा एक ऐसे नायक की कथा भी है, जो विविध समुदायों को साथ लेकर अपनी लोकयात्रा पूरी करता है। इस दृष्टि से भी श्रीराम भारतीय सभ्यता की बहुलतावादी स्मृति के नायक हैं।

प्रशस्त करते हैं आदर्श जीवन की राह

श्रीराम मर्यादित आदर्श जीवन की राह भी बताते हैं- शक्ति मिलने के बाद मनुष्य कैसा रहे? अधिकार मिलने के बाद उसका आचरण कैसा हो? निजी सुख और सार्वजनिक दायित्व में टकराव हो तो क्या चुना जाए? विजय के बाद अहंकार से कैसे बचा जाए और सबसे कठिन प्रश्न- क्या महान होना केवल दूसरों पर विजय पाना है या स्वयं पर नियंत्रण रखना भी महानता है? शायद इसी कारण श्रीराम की सबसे बड़ी विजय लंका पर विजय नहीं है, उनकी सबसे बड़ी विजय उस निरंतर मानवीय प्रयास में है, जिसमें मनुष्य शक्ति के बावजूद मर्यादा, संकट के बावजूद धैर्य और विजय के बावजूद आत्मसंयम बनाने की कोशिश करता है। *

विश्वव्यापी हैं श्रीराम

श्रीराम की कथा भारत की भौगोलिक सीमाओं तक ही नहीं सिमटती है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की अनेक सांस्कृतिक परंपराओं में रामायण के अलग-अलग रूप मिलते हैं। कहीं श्रीराम आदर्श राजा हैं, कहीं राम नायक हैं, कहीं सांस्कृतिक पूर्वज और कहीं लोककथा के पात्र हैं। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में कथा बदलती रही, पात्रों के नाम और अर्थ भी बदलते रहे, लेकिन श्रीराम की उपस्थिति निरंतर बनी रही। वास्तव में यही उनके अविराम होने का अर्थ है। श्रीराम, हर युग में एक जैसे नहीं रहे और शायद उन्हें एक जैसा रहना भी नहीं था। किसी युग ने उनमें मर्यादा देखी, किसी ने लोकमंगल, किसी ने आदर्श शासक, किसी ने त्याग, किसी ने करुणा और किसी ने मनुष्य के नैतिक संघर्ष का नायक।



दशहरे के पर्व से कई पौराणिक मान्यताएं और कथाएं जुड़ी हुई हैं। इनमें सबसे प्रमुख श्रीराम कथा, महिषासुर मर्दिनी दुर्गाजी की कथा और शमी वृक्ष शस्त्र पूजन कथा है। इन कथाओं में क्या निहितार्थ हैं और इनकी पूजन परंपरा के बारे में जानिए।

धर्म-सत्य-आत्मविजय का प्रतीक पर्व है दशहरा

निहितार्थ / वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। हिंदू परंपरा में इस पर्व से भगवान श्रीराम द्वारा रावण के वध और देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के संहार की कथाएं जुड़ी हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अपनी-अपनी परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व का धार्मिक महत्व तो है ही, इसके साथ शस्त्र पूजन, शमी पूजन और नए कार्यों के शुभारंभ जैसी परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं।

रावण पर श्रीराम की विजयः दशहरे की सबसे प्रसिद्ध कथा रामायण से जुड़ी है। सीता हरण के बाद श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंततः श्रीराम ने रावण का वध किया। इसी स्मृति में दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाता है। इसका संदेश केवल किसी पुतले को जलाने तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय जैसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने के संकल्प का भी प्रतीक माना जाता है।



महिषासुर मर्दन की कथाः विजय दशमी का संबंध देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा से भी है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित मान्यता के अनुसार महिषासुर को ऐसा वरदान प्राप्त था कि कोई पुरुष उसका वध नहीं कर सकता था। वरदान के कारण उसका अहंकार बढ़ गया और उसने तीनों लोकों में उत्पात मचा दिया। देवताओं की शक्तियों के समन्वय से देवी दुर्गा का प्राकट्य हुआ। देवी ने महिषासुर से नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया। इसी कारण विजय दशमी को शक्ति और अनिष्ट पर विजय का प्रतीक माना जाता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित कई क्षेत्रों में यह दिन विशेष उत्साह से मनाया जाता है।

श्रीराम-दुर्गा पूजनः दशहरे के दिन भगवान श्रीराम और देवी दुर्गा की पूजा करने की परंपरा है। पूजा के लिए घर के स्वच्छ स्थान को तैयार कर वहां भगवान राम अथवा देवी दुर्गा का चित्र या मूर्ति स्थापित की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण कर पूजा स्थल को साफ करें और श्रद्धानुसार कलश स्थापित करें। कलश में जल, आम के पत्ते और नारियल रखने की परंपरा है। इसके बाद भगवान श्री गणेश का पूजन करें। उन्हें फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। फिर श्रीराम और देवी दुर्गा को रोली, अक्षत, पुष्प अर्पित करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। 'ॐ दुर्गायै नमः' या 'श्री रामाय नमः' मंत्र का जाप करें। अंत में आरती करें।

पांडवों और शमी वृक्ष की परंपराः दशहरे से महाभारत की एक घटना भी जोड़ी जाती है। मान्यता है कि पांडवों ने अपने 12 वर्ष के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास के दौरान अपने शस्त्र शमी के वृक्ष पर छिपा दिए थे। अज्ञातवास पूरा होने के बाद उन्होंने विजय दशमी के दिन अपने शस्त्र वापस प्राप्त किए। इसी परंपरा के कारण दशहरे पर शस्त्रपूजन और शमी पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। प्राचीन समय में योद्धा और सैनिक विजय दशमी पर अपने शस्त्रों की पूजा करते थे। आज इस परंपरा का विस्तार हो गया है। व्यापारी अपने प्रतिष्ठान, कारीगर अपने औजार, किसान कृषि उपकरण, चालक वाहन और दूसरे पेशे से जुड़े लोग अपने कार्य में उपयोग होने वाली वस्तुओं का पूजन करते हैं। पूजा के लिए उपकरणों को साफ करके स्वच्छ स्थान पर रखें। रोली, अक्षत और पुष्प अर्पित करें। दीप जलाकर अपने कार्य में सफलता, सुरक्षा और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें। इस परंपरा का आधुनिक अर्थ यह भी हो सकता है कि हम उन साधनों का सम्मान करें, जिनसे हमारी आजीविका चलती है और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करें। दशहरे की शाम श्रद्धालु शमी वृक्ष के पास जाकर जल, अक्षत और कुमकुम अर्पित करते हैं। इन धार्मिक विधियों का पालन अपनी पारिवारिक और क्षेत्रीय परंपरा के अनुसार किया जा सकता है।

दशहरे का संदेशः दशहरे का महत्व केवल रावण दहन या पूजा तक सीमित नहीं है। आज के समय में इसका सबसे उपयोगी संदेश आत्मचिंतन और आत्मसंयम से जुड़ा है। हम अपने भीतर के अहंकार को कैसे मिटा सकते हैं? क्रोध पर कितना नियंत्रण रख सकते हैं? दूसरों के अधिकार और सम्मान का कितना ध्यान रखते हैं? अपने काम में ईमानदारी और जिम्मेदारी कितनी निभाते हैं? ये प्रश्न विजय दशमी के अवसर पर स्वयं से पूछकर आत्मविवेचन करना चाहिए। रावण का पुतला जलाने के साथ यदि हम अपने भीतर की किसी एक नकारात्मक आदत को छोड़ने का संकल्प भी लें, तो पर्व का संदेश हमारे दैनिक जीवन से जुड़ सकता है। विजय दशमी का पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक विजय केवल किसी बाहरी शत्रु पर नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय पर नियंत्रण पाने में भी है। यही दशहरे की परंपरा को वर्तमान जीवन में सार्थक बनाने का उचित मार्ग है। *



दोहे

प्रो. शरद नारायण खरे

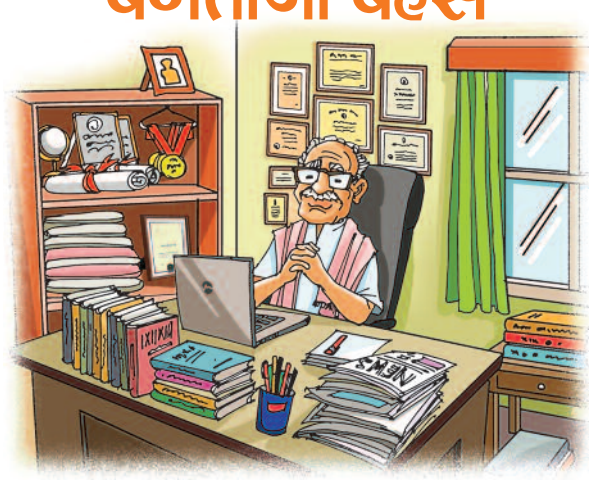
विजया दशमी के दोहे

विजया दशमी पर्व तो, कहे यही हर बार।
नीति, सत्य, सत्कर्म से, पलता है उजियार।।
अहंकार से हो सदा, इंसां की तो हार।
विनत भाव से हो सतत, मानव का सत्कार।।
मर्यादा का आचरण, करे विजय-उद्घोष।
कितना भी सामर्थ्य पर, खोना ना तुम होश।।
लंकापति मद में भरा, करता था अभिमान।
तभी हुआ संपूर्ण कुल, का देखो अवसान।।
विजया दशमी पर्व नित, देता यह संदेश।
विनत भाव से जो रहे, उससे हार क्लेश।।
निज गरिमा को त्यागकर, रावण बना असंत।
इसीलिए असमय हुआ, उस पापी का अंत।।
पुतला रावण का नहीं, जलता पाप-अधर्म।
समझ-बूझ लें आप सब, यही पर्व का मर्म।।
विजय राम की कह रही, सम्मानित हर नार।
नारी के सम्मान से, ही सुखमय संसार।।
उजियारा सबने किया, हुई राम की जीत।
आओ हम गरिमा रखें, बनें सत्य के मीत।।
कहे दशहरा मारना, अंतर का अंधियार।
भीतर जो रावण रहे, उस पर करना वार।।
बुरे कर्म ना पोसना, वरना तय अवसान।
निरभिमान की भावना, लाती है उत्थान।।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं। वह काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं।

सम्मान की शॉलें और बेनतीजा बहसें



एक हैं प्रकाश जी, दूसरे हैं परीक्षित जी। एक ही शहर में रहते हैं। दोनों में कुल जमा दो बातों को छोड़कर और कुछ भी उभयनिष्ठ नहीं है। वो ये है कि दोनों स्वयं की दृष्टि में व्यंग्य के बड़े लेखक और प्राध्यापक हैं। दूसरी बात, दोनों के नाम के आगे 'डॉक्टर' और पीछे 'जी' लगा हुआ है। ये दोनों जहां पर भी आमंत्रित होते हैं, अपने सम्मान की शॉलें घर से ओढ़कर जाते हैं। प्रकाश जी कहते हैं, 'घर पर ऐसी ही पचास शॉलें रखी हुई हैं।' परीक्षित जी कहते हैं, 'अपने पास तो इतनी शॉलें हैं कि एक ठीक-ठाक दुकान खुल सकती है।'

प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं। उनकी एक पुस्तक तीन-चार साल में प्रकाशित होती है। उसकी सरकारी खरीद हो जाती है। वह पुस्तक सार्वजनिक पुस्तकालयों में संरक्षित हो जाती है। इस तरह प्रकाशित बीस प्रतिशत पुस्तकें, प्रकाशक उनको रॉयल्टी के बदले सौंप देते हैं। इसका कुछ भाग पत्र-पत्रिकाओं में समीक्षा के नाम पर भेंट चढ़ जाता है। यथा आवश्यकता प्रकाश जी खुद ही समीक्षा लिखते हैं और अपने घनिष्ठ मित्रों के नाम से छपाने का जुगाड़ बिठाते हैं। बच गई बाकी पुस्तकों को वे सुपात्रों को 'सप्रेम भेंट' कर देते हैं। इस तरह वे सतत चर्चा में बने रहते हैं। आखिर मुफ्त की भेंट की चर्चा सभी करते हैं।

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं तो वे काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी खुद भी मानते हैं कि इतने सृजन के पश्चात साहित्य में जिसे अमर होना कहा जाता है, वह वे हो चुके हैं। दूसरे लेखक उन्हें अमर मानें न मानें, वे इसकी परवाह नहीं करते। उनकी मान्यता है कि अंतरात्मा की आवाज ही सच्ची होती है और उनकी अंतरात्मा से सतत अमर होने की ध्वनि आती रहती है।

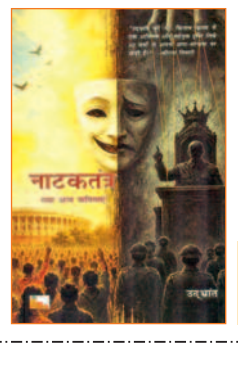
परीक्षित जी कुछ अलग किस्म के जीव हैं। व्यवस्थित लिखाड़ हैं। प्रकाश जी कलम से लिखते हैं तो परीक्षित जी लैपटॉप में। परीक्षित जी फुटकर में लेखन करते हैं। वे पुस्तकों को घास का गट्ठर बांधना कहते हैं। उनका दावा है कि अगर वे अपने व्यंग्य लेखों को संकलित कर छपवा दें तो बीस-बाइस गट्ठर तैयार हो सकते हैं। परीक्षित जी कम-से-कम बीस समाचार पत्रों में नियमित स्तंभ लिखते हैं। वे व्यंग्य लेखन को नित्य कर्म की तरह करते हैं। कभी-कभी तो बाथरूम में भी लैपटॉप लेकर बैठ जाते हैं। अखबारों के पाठक उनके लेखों से ज्यादा परीक्षित जी के नाम से परिचित हैं, इसलिए परीक्षित जी एक सुपरिचित लेखक कहे जाते हैं।

प्रकाश जी और परीक्षित जी के खेमे अलग-अलग हैं। शाश्वत लेखन और तात्कालिक लेखन की पारस्परिक श्रेष्ठता को लेकर दोनों के खेमे लगभग हर माह संगोष्ठियों के बंदनवार सजा देते हैं। कभी इस शहर में तो कभी उस शहर में पताकाएं फहरती रहती हैं। एक जैसी और बेनतीजा समाप्त होने वाली इन संगोष्ठियों से सिर्फ इतना होता है कि कभी प्रकाश जी की शॉलों की संख्या बढ़ जाती है तो कभी परीक्षित जी की।

बहरहाल, दोनों ही आश्वस्त हैं कि उनके चलते व्यंग्य लेखकों में राजनीति, गुटबाजी, मस्काबाजी, पुरस्कार के जोड़-तोड़ और फिजूल बहसबाजी की पुरातन परंपरा आज भी बदस्तूर जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

काव्यचेतना का उद्घोष



वरिष्ठ कवि उद्भ्रांत अनेक विधाओं में करीब छह दशकों से निरंतर सक्रिय हैं। काव्य सृजन के क्षेत्र में उनकी रचनाशीलता ने नए आयाम स्थापित किए हैं। लगभग पांच दशक बाद उनके चर्चित कविता संग्रह 'नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं' का पुनर्प्रकाशन हुआ है। इस संग्रह में कुल बारह कविताएं हैं। इनमें ग्यारह छोटी और एक बड़ी कविता शामिल है। 'कविता के विरुद्ध' कविता की पंक्तियां 'यह आग किसी को जला देती है/ और किसी को तपा देती है।' न केवल अपने रचे जाने के दौर में बल्कि आज के समय में भी कविता की सामर्थ्य और उसकी विवशता का आख्यान प्रस्तुत करती हैं। 'इनके गुस्से को शांत करें' कविता की ये पंक्तियां, 'सन्नाटे का शोर/इसलिए बढ़ रहा है/क्योंकि इनका पारा/सातवें आसमान पर चढ़ रहा है।' आज से पांच दशक पहले की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थिति का सटीक चित्रण प्रस्तुत करती हैं। दशकों बाद भी इन कविताओं की प्रासंगिकता बनी हुई है। *

पुस्तकः नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं, **लेखकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

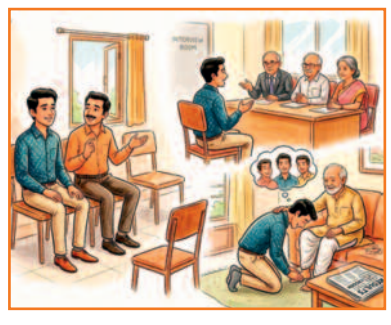
लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

कमी पूरी हो गई

जैसे ही महेंद्र वहां पहुंचा, एक युवक ने प्रशंसात्मक भाव से कहा, 'आप जिन सधे कदमों से अंदर आए वह आपके व्यक्तित्व को बताता है। आप यहां बैठिए।' उसने बगल में खाली कुर्सी की ओर इशारा किया।

उसे आश्चर्यमिश्रित प्रसन्नता हुई और बैठते हुए उसके मुंह से निकला, 'धन्यवाद।' इस बीच एक अन्य युवक कमरे में दाखिल हुआ। वह उसके बाजू वाली कुर्सी पर आकर बैठा ही था कि उसके चेहरे पर नजर पड़ते ही बोल उठा, 'आपकी हेयरस्टाइल बहुत बढ़िया है, आपके चेहरे पर जंच रही है।'

महेंद्र फूलकर कुप्पा हो गया और बोला, 'शुक्रिया।' उसके स्वर में आत्मविश्वास झलक रहा था। इंटरव्यू प्रारंभ होने वाला था। इस बीच सामने वाली कुर्सी पर बैठा युवक कुछ देर उसे ध्यान से देखता रहा, फिर कहने लगा, 'आपके कपड़ों की फिटिंग और आपकी कलर चॉइस लाजवाब है। मैं भी कुछ इसी तरह से पसंद करता हूं।' फिर उसने पूछा, 'आप कपड़े कहां से सिलवाते हैं?'



महेंद्र ने मुस्कराते हुए उसे टेलर का नाम बताया, फिर कुछ खुलकर कहा, 'तारीफ के लिए धन्यवाद। जानकर खुशी हुई कि आपकी पसंद भी मेरी तरह है।' तभी महेंद्र का नाम पुकारा गया। वह साक्षात्कार कक्ष की ओर बढ़ा तो महसूस हुआ कि उसकी चाल कुछ सधी हुई है। वह अनुमति लेकर साक्षात्कारकर्ताओं के सामने की कुर्सी पर धीरे से बैठ गया। उसके होंठों पर सहज स्मित थी। उसने पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिए। हालांकि इक्का-दुक्का सवालों के सटीक जवाब वह नहीं जानता था, फिर भी हड़बड़ाया या हकलाया नहीं। बाहर निकला तो सोचा कि तारीफ करने वालों का एक बार फिर आभार व्यक्त कर दूं, किंतु उनमें से कोई चेहरा नजर नहीं आया।

महेंद्र को आश्चर्य तो हुआ कि वे लोग इंटरव्यू के बिना ही कैसे चले गए, पर उसने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं। एक महीने बाद अंतिम परिणाम घोषित हुआ तो महेंद्र अच्छी रैंक के साथ चयनित हो गया था। उसे आठ अलग-अलग प्रयासों के बाद अंततः नवीं कोशिश में नौकरी मिल गई थी। जब वह पिता का आशीर्वाद लेने पहुंचा तो दिल में उमड़ता प्रश्न होंठों पर आ ही गया, 'पापा, पता नहीं क्यों मैं पहले इंटरव्यू के दौरान हताश हो जाता था, परंतु इस बार तो जैसे चमत्कार हो गया। मुझे थोड़ी-सी भी झिझक या भय महसूस नहीं हुआ।' पिता उसे गले लगाते हुए बोले, 'बेटा, तुम्हारी समझ और जानकारी कभी कम नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ आत्मविश्वास की। यह कमी मेरे भेजे लोगों ने पूरी कर दी।'

सहसा महेंद्र की आंखों के सामने वे तारीफ करने वाले चेहरे उभर आए। *

रायपुर, रविवार 18 अक्टूबर 2026 | आश्विन शुक्ल पक्ष सप्तमी | वर्ष : 25, अंक : 89 | पृष्ठ : 14+4+4= 22 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



वनदेवी...जहां चढ़ाए जाते हैं कंकड़ और पत्थर

नवरात्रि-7 दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

वैसे तो सैकड़ों ऐसे मंदिर हैं, जहां देवी-देवताओं के चढ़ावे के लिए प्रसाद, चुनरी या अन्य कई तरह की सामग्री चढ़ाई जाती है। लेकिन कुछ ऐसे देवी देवता भी हैं जिन्हें चढ़ावे के रूप में अलग तरह की वस्तु पसंद हैं और उनकी पसंद की वस्तु चढ़ाने ⏭शेष पेज 5 पर

खमतराई में है वनदेवी का एक अनोखा मंदिर



स्वयंभू स्थापित हैं देवी

वनदेवी के बारे में कहा जाता है कि वह स्वयंभू स्थापित हैं, क्योंकि लगभग 500 सालों से लोग यहां आ रहे हैं, लेकिन किसी को यह नहीं मालूम है कि देवी की प्रतिमा कौन लेकर आया है और यहां कैसे पहुंची। कहते हैं कि पेड़ के नीचे ही लोगों को देवी की प्रतिमा दिखी थी। लेकिन बाद में धीरे-धीरे लोगों को देवी मां के चमत्कार की जानकारी लगने लगी और छोटे से मंदिर के रूप में निर्माण कराकर देवी को स्थापित कर दिया गया।



मन्नत वाली महाकाली

प्रतिमा स्थापना के लिए 2056 तक बुकिंग, समिति ने बुकिंग बंद की

संजय साहू ⏭ जबलपुर

संस्कारधानी जबलपुर के रांझी स्थित मन्नत वाली महाकाली का दरबार श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र है। यहां माता के प्रति भक्तों का विश्वास ऐसा है कि प्रतिमा स्थापना के लिए वर्ष 2056 तक बुकिंग हो चुकी है। बढ़ती मांग और लंबी प्रतीक्षा सूची के बीच समिति ने अब नई बुकिंग बंद कर दी है। इस दरबार की विशेषता यह है कि भक्तों की मान्यता के अनुसार, मनोकामना पूरी होने पर वे माता की प्रतिमा स्थापित कर अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। यही परंपरा इस स्थान को विशिष्ट पहचान ⏭शेष पेज 5 पर

मनोकामना पूरी होने पर स्थापित करते हैं प्रतिमा

रांझी की मन्नत वाली महाकाली के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था केवल दर्शन और पूजा तक सीमित नहीं है। यहां भक्त माता के समक्ष अपनी मनोकामना रखते हैं और मुराद पूरी होने पर प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लेते हैं। श्रद्धालु इसे माता के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम मानते हैं। इसी मान्यता के चलते प्रतिमा स्थापना के लिए लोगों में विशेष उत्साह रहता है। बुकिंग का वर्ष 2056 तक पहुंचना इस परंपरा से जुड़े लोगों की संख्या और इसके प्रति उनके लगाव को दर्शाता है।

Inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

भारी भीड़ और तेज बारिश के बीच हुआ बड़ा हादसा, मुख्यमंत्री शुभेंदु घायलों से मिले, मुआवजे का ऐलान

कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़, 18 की मौत, 40 घायल

एजेंसी ⏭ कोलकाता

कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम तेज बारिश के बीच भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। सप्तमी के दिन दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ के बीच मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 40 लोग घायल हो गए।

उत्तर कोलकाता में दुर्गा पूजा के एक पंडाल में शनिवार को भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गयी और 40 अन्य लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। घटना के बाद कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचे अधिकारी ने कहा, 18 लोगों को अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया, जबकि 40 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोलकाता में चित्तरंजन एवेन्यू के पास चोरबागान में सामुदायिक दुर्गा पूजा के आयोजकों की एक घोषणा के बाद श्रद्धालुओं में अचानक आगे बढ़ने की होड़ मच गई, ⏭शेष पेज 5 पर

तेज बारिश के बीच बिगड़े हालात

घटना के समय बाहर तेज बारिश हो रही थी। बारिश के बीच पंडाल में लोगों की भीड़ बढ़ गई। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। चोरबागान सर्वजनीन दुर्गा पूजा पंडाल में मची भगदड़ जैसी स्थिति पर एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि इस पूजा के 91 वर्षों के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह पहली बार है जब ऐसी घटना घटी है। अचानक बारिश शुरू हो गई, और बारिश की वजह से कुछ लोग फिसलकर गिर गए, जिससे वहां भीड़ में अफरा-तफरी मच गई।

राष्ट्रपति, पीएम, शाह और राहुल ने दुख जताया





अंधेरा, भारी भीड़ और संकरा रास्ता

घटनास्थल पर मौजूद एक चश्मदीद ने भयावह मंजर को याद करते हुए बताया, कई लोग बेहोश हो गए थ। कुछ लोगों को मोटर साइकिलों पर लादकर ले जाया जा रहा था। मैंने अपने आस-पास यही सब होते देखा। जब लोग बेहोश हुए, तो उन्हें बाइकों पर बैठाकर अस्पताल ले जाया गया। वहां भारी भीड़ थी और चारों तरफ अफरा-तफरी मची हुई थी।

खबर संक्षेप



उप मुख्यमंत्री साव की स्कूटी गड्ढे में गिरी

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरूण साव शुक्रवार की रात लोरमी में स्कूटी चलाते हुए दुर्गा देखने निकले थे। इस दौरान स्कूटी के गड्ढे में गिरने से उनके पैर पर चोट लगी है। श्री साव इलाज के लिए सिम्स पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने कच्चा प्लास्टर लगाकर उन्हें आराम करने की सलाह दी है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र लोरमी में थे। शाम ढलने के बाद वे स्कूटी चलाते हुए दुर्गा पंडालों में दुर्गा देखने के लिए निकले। स्कूटी से ही वे एक पंडाल से दूसरे पंडाल जाकर मां दुर्गा का दर्शन कर रहे थे और अपने साथियों एवं लोगों से मेल-मुलाकात भी कर रहे थे। एक पंडाल से वे जब स्कूटी चालू कर दूसरे पंडाल में जाने के लिए आगे निकले तभी गड्ढे में स्कूटी सहित गिर गए, जिससे उन्हें चोट आई।

गहरे नाले में गिरी मिनी बस चार की मौत

कोटा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह करीब 17 यात्रियों को लेकर जा रही एक मिनी बस के 15 फुट गहरे नाले में गिरने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना सुबह करीब छह बजे एक्सप्रेसवे पर सिमलिया थाना क्षेत्र में हुई।

तमिलनाडु के जाने-माने संगीतकार देवा का निधन



चेन्नई। अपनी अनूठी 'गाना' संगीत शैली के लिए लोकप्रिय संगीतकार देवा (75) का चेन्नई में निधन हो गया। तमिल भाषी लोगों के बीच लोकप्रिय 'गाना' संगीत शैली को पहचान दिलाने में देवा का अहम योगदान रहा। इस शैली के जरिए उन्होंने समाज के वंचित तबकों के जीवन, उनकी पसंद-नापसंद और युवाओं की रोजमर्रा की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को मुख्यधारा के संगीत में जगह दी।











राजस्थान- मिनी बस एक्सप्रेसवे से नाले में गिरी, 8 मौतें

एजेंसी ▶▶| कोटा

■ सभी मध्य प्रदेश के रहने वाले, खाटूश्यामजी मंदिर जा रहे थे

राजस्थान के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैंपो ट्रैवलर (मिनी बस) पुलिया से गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग मध्य प्रदेश के बैतूल के रहने वाले थे। एक्सीडेंट शनिवार सुबह 6 बजे सिमलिया थाना क्षेत्र में हुआ। एसएचओ नंद सिंह ने बताया कि ट्रैवलर भोपाल से खाटूश्यामजी जा रहा था। कोटा शहर से 35 किलोमीटर दूर कराड़िया टोल के पास ट्रैवलर पुलिया से 15 फीट नीचे गिर गया। एक्सीडेंट में 17 पैसेंजर्स घायल हुए हैं। अंधेरे के कारण रेस्क्यू में कुछ देरी भी हुई। ग्रामीणों ने बताया कि कई डेडबॉडी सीटों के बीच फंसी थीं। उन्हें बड़ी मुश्किल से बाहर खींचा गया। घायलों को खिड़की तोड़कर निकाला गया।

भरुच की दवा-फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 की मौत

गुजरात के भरूच की सिंजील फार्माकेम नाम की एक दवा फैक्ट्री के रिएक्टर धमाके में 5 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 6 लोग घायल हैं। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। धमाका इतना तेज था कि इसके तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड नाम की एक जहरीली गैस का रिसाव भी शुरू हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। हादसे की खबर मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि यह धमाका किस वजह से हुआ।

इंटरनेट मौलिक अधिकार बच्चों को इससे दूर रखना बेतुका : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अहम टिप्पणी करते हुए संविधान के अनुच्छेद 21 और 19(1)(a) के तहत, बच्चों सहित हर व्यक्ति के लिए इंटरनेट तक पहुंच और इसके इस्तेमाल को एक मौलिक अधिकार घोषित किया।

कोर्ट ने कहा कि 'हमारे बच्चों की सुरक्षा और उनकी आजादी, एक-दूसरे के खिलाफ नहीं हैं।' रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने सुझाव दिया कि बच्चों को इंटरनेट के इस्तेमाल से पूरी तरह रोकने के बजाय, सोशल मीडिया अकाउंट्स के लिए 'चाइल्ड मोड' जैसे उपाय अपनाकर उनकी ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत किया जाना चाहिए। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने यह टिप्पणी तब की, जब वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य ऑनलाइन सेवाओं से बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री (सीएसईएएम) का पता लगाने और उसे हटाने के तंत्र को मजबूत करने के लिए निर्देश जारी कर रहे थे।

'हर तरह की पाबंदी लगाना सही समाधान नहीं'

पीठ ने माना कि इंटरनेट, अपने मौजूदा रूप में, बच्चों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करता है। हालांकि, अदालत ने कहा कि अगर ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म हानिकारक सामग्री का पता लगाने और उसे हटाने में नाकाम रहे हैं, तो इसके लिए बच्चों की पहुंच पर ही रोक लगा देना ऐसा होगा, जैसे समस्या के लिए पीड़ित को ही जिम्मेदार मान लिया जाए। अदालत ने इस बात पर विचार किया कि क्या बच्चों की सुरक्षा के लिए उन्हें इंटरनेट और सोशल मीडिया से पूरी तरह दूर रखा जाना चाहिए। अदालत ने ध्यान दिलाया कि अनुच्छेद 19(1)(**a**) के तहत मिलने वाले 'वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के अधिकार में जानकारी और विचारों को जानने, प्राप्त करने और साझा करने का अधिकार भी शामिल है। ऑनलाइन मौजूद सामग्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सीखने, बातचीत करने और जानकारी तक पहुंचने के कई अवसर भी देता है।

'सुरक्षा और आजादी दोनों मिलनी चाहिए'

बेंच ने कहाः 'हमें यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 21 और अनुच्छेद 19(1)(**a**) के तहत, इंटरनेट तक पहुंच और इसका इस्तेमाल करना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। हमारे बच्चों को, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, यही अधिकार प्राप्त हैं। उन्हें इन अधिकारों से पूरी तरह वंचित करना उतना ही बेतुका होगा, जितना यह कहना कि एक निश्चित उम्र से कम उम्र के बच्चों के पास न तो कोई ऐसी समझ है जिसकी रक्षा की जानी चाहिए, और न ही अभिव्यक्ति की ऐसी आज़ादी है जिसे व्यक्त किया जाना चाहिए। हमारे बच्चों की सुरक्षा और उनकी आजादी एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। हमारे बच्चों को ये दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए।'

प्रियागोल्ड बिस्किट में जानवरों के चारे वाला चोकर! लाइसेंस सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली





■ एफएसएसएआई ने शुरू की कानूनी कार्रवाई

■ बिस्किट कंपनी व दोदला डेयरी सहित तीन पर मुकदमा

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने तीन प्रमुख खाद्य कंपनियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इनमें बिस्किट बनाने वाली कंपनी सूर्या फूड एंड एग्रो, दोदला डेयरी और यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स शामिल हैं।

इन कंपनियों पर गंभीर खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। एफएसएसएआई ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इस कार्रवाई की जानकारी दी। सूर्या फूड एंड एग्रो के खिलाफ पशु आहार के चोकर का उपयोग करने के लिए मुकदमा चलाया जा रहा है। यह चोकर बिस्किट के निर्माण में फाइबर के स्रोत के रूप में इस्तेमाल हो रहा था। एफएसएसएआई ने उपभोक्ता शिकायत के बाद सूर्या फूड एंड एग्रो का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता कमियां पाई गईं। चोकर के बोरों पर पशु आहार के लिए होने का निशान भी था। दोदला डेयरी के फुल क्रीम दूध का नमूना घटिया पाया गया। जांच में दूध में डिटर्जेंट या कॉस्टिक सोडा और निर्धारित सीमा से कम दूध वसा की पुष्टि हुई। यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स द्वारा बेची जा रही पीली किशमिश में कीटनाशक अवशेष मिले।एफएसएसएआई ने पहले सूर्या फूड एंड एग्रो का लाइसेंस निलंबित कर दिया था।

बिस्किट में मिली यह गड़बड़ी

एफएसएसएआई को सूर्या फूड एंड एग्रो के बिस्किट में पशु आहार का चोकर मिला। यह चोकर मानव उपभोग के लिए नहीं था, फिर भी इसे बिस्किट में इस्तेमाल किया जा रहा था। कंपनी के संयंत्र में स्वच्छता, कीट नियंत्रण और कच्चे माल के भंडारण में भी कमियां थीं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
जीपीओए-3, नेताजी नगर, नई दिल्ली-110023

दिनांक: 18-10-2026

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) के अध्यक्ष पद हेतु आवेदन आमंत्रित करने की अंतिम तिथि में विस्तार

यह सामान्य जनता की जानकारी के लिए है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) में अध्यक्ष पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने वाला विज्ञापन दिनांक 20.09.2026 को समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया था। पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन NCPCR के आवेदन पोर्टल https://ncpcrvacancies.wcd.gov.in के माध्यम से जमा करने होंगे।

2. ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि, जो पहले 17.10.2026 निर्धारित की गई थी, अब बढ़ाकर 16.11.2026 कर दी गई है। अधिक जानकारी के लिए कृपया उपर्युक्त आवेदन पोर्टल https://ncpcrvacancies.wcd.gov.in तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) की वेबसाइट देखें।

भारत सरकार के अवर सचिव
फ़ोन नं. 011-26773718

cbc-46101/11/0016/2627

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	201437 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला महासमुंद के किसडी से देवलभांठा मार्ग लंबाई 4.20 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	429.15
2	201438 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला दुर्ग के चण्डी मंदिर से नयापारा मार्ग लंबाई 0.90 कि.मी. का पुल पुलिया सहित चौड़ीकरण एवं पुर्ननिर्माण कार्य।	408.30
3	201439 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला खैरागढ़ छुईखदान गण्डई वि.ख. खैरागढ़ के टाऊन मार्ग लंबाई 4.205 कि.मी.(वास्तविक लंबाई 4.10 कि.मी.) का नाली सहित निर्माण कार्य।	455.54
4	201440 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला कवर्धा वि.ख. सहसपुर लोहारा के मोतिमपुर से श्री सिद्धपीठ सुतियापाठ माँ हिंगलाज गुफा मार्ग लंबाई 3.80 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	925.17
5	201442 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जमा मद अंतर्गत अहिवारा-बेरला मुख्य जिला मार्ग के कि.मी. 19/10 में प्रस्तावित रेल्वे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य।	3805.76
6	201446 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट बिलासपुर में रनवे का रिकापेटिंग का कार्य, जमा मद।	1160.49
7	201447 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला धमतरी के दुधावा-मुरूमसिल्ली-बनरौद मार्ग के कि.मी. 36/10 के सिलयारी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1339.76
8	201449 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला बलौदाबाजार- भाटापारा के भाटापारा- सुहेला मार्ग के जमुनैया (डिग्गी) नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	613.51
9	201450 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला कांकेर के इच्छापुर-घोटिया मार्ग के कि.मी. 1/2 दूध नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	633.29
10	201451 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	मां दंतेश्वरी हवाईपट्टी जगदलपुर में 'आईसोलेशन बाय कनेक्टिंग' के निर्माण कार्य, जमा मद।	1183.01
11	201454 प्रथम आमंत्रण 12.10.2026	जिला बस्तर के आसना- बकावंड से कोलावल मार्ग के कि.मी. 14/6 बधियाकरीन नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	363.86
12	201488 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	खरसिया के बायपास क्रमांक 3 कबीर चौक से डभरा रोड तक मार्ग लंबाई 2.30 का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का कार्य।	690.42
13	201500 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	पेण्ड्रारोड अमरकंटक मार्ग के कि.मी. 3/2 से 21/8 = 18.80 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का शेष कार्य (पी.जी. भाग)।	311.15
14	201481 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	जिला जशपुर में ए.डी.आर.सेंटर भवन का निर्माण कार्य, जमा मद।	242.04
15	201503 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	जिला रायगढ के छुंईयापाली से भुईयापाली के मध्य कुरू नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	615.24
16	201480 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	जिला रायगढ़ के लोईंग महापल्ली मार्ग पर लोईंग नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	406.24
17	201543 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	रायगढ़ मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग में बालसमुन्द नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	757.47
18	201553 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	जिला रायगढ़ के चांदनी चौक से राजमहल के मध्य लोकल नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	399.83

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 12 से सं.क्र. 18 दिनांक 30.10.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 04.11.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियन्ता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-262704035/3

कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	201479 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	कोयलंगा से लिपसपाली उडीसा मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	271.57
2	201478 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	गोपालपुर से भिखारीमाल (आंगनबाडी तक) मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	268.47
3	201477 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	जिला रायगढ के रायगढ शहर केवडाबाडी बस स्टैंड से इंदिरा नगर मार्ग के मध्य लोकल नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	755.46
4	201476 द्वितीय आमंत्रण 12.10.2026	जिला रायगढ के डोमनारा- बर्रा- जोबी काफरमार मार्ग के कि.मी. 20 / 2 पर कोरजा नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	378.18
5	201573 प्रथम आमंत्रण 13.10.2026	जिला रायगढ के जामगांव से कोयलंगा मार्ग के कि.मी. 23/4 पर कुरू नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	534.50
6	201574 प्रथम आमंत्रण 13.10.2026	जिला कवर्धा वि.ख. कवर्धा के जेवड़नकला से कैलाश नगर मार्ग लंबाई 3.40 कि.मी. (वास्तविक लं. 2.60 कि.मी.) का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	532.07
7	201581 प्रथम आमंत्रण 13.10.2026	जिला कोण्डागांव के ग्राम कूधूर, मर्दापाल में 100 सीटर छात्रावास भवन निर्माण कार्य (जमा मद अंतर्गत स्वीकृत) ।	257.65
8	201582 प्रथम आमंत्रण 13.10.2026	जिला कांकेर के पी. व्ही. 15 से पी.व्ही. 124 के कि.मी. 1/2 से 4/10 तक कुल 3.90 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	503.13
9	201609 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	जिला गरियाबंद अंतर्गत व्यवहार न्यायालय गरियाबंद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु 02 नग एफ, 15 नग जी, 20 नग एच एवं 15 नग आई टाईप शासकीय आवास गृह का निर्माण तथा पहुंच मार्ग, नाली, गार्डन, काउ कैंचर, ओवर हेड टेंक, बाऊण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित ।	840.67
10	201614 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	रायगढ एकताल मार्ग से बडे अतरमुडा पहुंच मार्ग लंबाई 2.30 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	521.19
11	201616 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	घरघोडा कंचनपुर बहिरकेला मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/6 लंबाई 600 मीटर का चौडीकरण एवं मजबूतीकरण का निर्माण कार्य, जमा मद ।	268.58
12	201622 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के कामेश्वरनगर - रामचंद्रपुर- लुरगी मार्ग के कि.मी. 1 से 33, 44 से 48 = 38.00 कि.मी. का मजबूतीकरण एवं उन्नयन निर्माण कार्य ।	2564.62
13	201628 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	पी.एम. उषा योजनांतर्गत पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के एकीकृत परीक्षा हॉल (प्रथम तल) भवन के निर्माण कार्य, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग्स एवं विद्युतीकरण सहित जमा कार्य ।	308.77
14	201637 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	जिला बेमेतरा के मोहगांव बुधवारा मार्ग में सुरही नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	355.09
15	201650 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	डाईट बस्तर विकासखण्ड बस्तर में डाईट ऑफ एक्सीलेंस भवन का निर्माण कार्य विद्युतिकरण एवं पहुंच मार्ग सहित, जमा मद ।	940.20
16	201652 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	जिला कबीरधाम के कवर्धा रवेली प्रतापपुर मार्ग लंबाई 19.80 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य ।	550.38
17	201658 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	जिला कोरबा के कटघोरा बायपास मार्ग लंबाई 17.15 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 4.40 कि.मी.) का मजबूतीकरण निर्माण कार्य का शेष कार्य ।	304.92
18	201675 द्वितीय आमंत्रण 13.10.2026	जिला जशपुर के करंजटोली सन्ना मुख्य मार्ग से टिकैतगंज तक पहुंच मार्ग लं. 2.40 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	228.19

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 05 से सं.क्र. 08 दिनांक **04.11.2026** निर्धारित है । एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक **30.10.2026** निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है ।

मुख्य अभियंता,
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G- 262704031/7

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।
अतिअल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
टेन्डर रेफरेंन्स नं0–प0नि0वि0 / राँची–31 / 2026–27
दिनांक :– 16.10.2026

1.	कार्य का नाम	IRQP work of road from Singh More to Latma (Total Length -2.35 KM) for the year 2026-27.
2.	अनुमानित प्राक्कलित राशि (रू0 लाख में)	रू0 242.13047 लाख (रूपये दो करोड ब्यालीस लाख तेरह हजार सैतालीस रूपये) मात्र।
3.	अग्रधन की राशि (रू0 लाख में)	रू0 4.86 लाख (रूपये चार लाख छियासी हजार) मात्र।
4.	समय	03 (तीन) माह
5.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	21.10.2026 10.30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि / समय	29.10.2026 12.00 बजे दोपहर तक
7.	निविदा खोलने की तिथि / समय	30.10.2026 12.30 बजे अपराह्न।
8.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल, मोहराबादी, राँची–834008.
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0651–2361018
10.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2403007

- प्राक्कलित राशि एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जिसे ***Tender Online Upload*** में देखा जा सकता है, एवं किसी भी प्रकार का बदलाव ***http://jharkhandtenders.gov.in*** पर देखा जा सकता है।
- नियम एवं शर्तों के लिए वेबसाईट ***http://jharkhandtenders.gov.in*** पर देखें।

PR 392076 Road Construction Dept
Road Division Ranchi(26-27)D

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

ऑफिस/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेंसी मे ऑफिस /फिल्ड कार्य हेतु 12वी पास लड़को की आवश्यकता है। स्वंय का वाहन आवश्यक। आकर्षक वेतन+ पेट्रोल, बायोडाटा सहित संपर्क करें- 9300160003, 9300160001.(आरो-20)

असिस्टेंट/फील्ड कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस असिटेंट के साथ फील्ड में भी कार्य कर सके (ऑलराउंडर) ऐसे व्यक्ति की जरूरत है कार चलाने वाले को प्राथमिकता। खबर वर्ल्ड मिडिया ग्रुप तेलीबांधा रायपुर मो 9329228972. (आरो-230)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आफिस कार्य विशाल नेक्स्टजेन कंस्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड ऑफिस में MBA /CA पढ़ाई की हुई लड़की जिसे दो साल का अनुभव हो वेतन योग्यगतानुसार संपर्क - रूंगटा कॉलेज पेट्रोल पंप के सामने कुरूद भिलाई पिन न -490023, मो.- 8109049291.(आरो न.-345)

ऑपरेटर/रिसेप्शनिस्ट

आवश्यकता है- महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है। स्थान- जीनियस कम्प्यूटर्स, अवन्ति विहार कॉलोनी, रायपुर। सम्पर्क करें- 8878688881, 9039672888. (आरो-2784)

कुक/हेल्पर

आवश्यकता है- नॉन वेज बनाने के लिए कुक, हेल्पर एवं वेटर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्क करें :- johnnys cafe , Geekay milestone shop no A7 new rajendra nagar raipur 9993631248. (आरो-971)

मैनेजर/मार्केटिंग

Wanted- A leading Pesticide manufacturing company required Territory Manager – 06, Marketing Executive -20 (prefer agriculture graduate), Chemist 02, Supervisor 02, Computer operator cum store keeper 02, interest candidate are send biodata on zenithagrizone2006@gmail.com, or Contact 8770536676, 8718807000. (आरो-349)

सेल्समैन

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में लड़के/लड़कियों की सेल्समैन कार्य हेतु समय 11 से 9 बजे रात्रि तक संपर्क करें:- नगीना जेन्स सदर बाजार रायपुर 9425206595. (आरो-7360)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ऑपरेटर/मार्केटिंग

अतिशीघ्र आवश्यकता है- 1. कप्यूटर ऑपरेटर 3 अनुभव 2 वर्ष टेंडर कार्य, ऑनलाइन, जेम, ऑफलाइन वेतन 15000 से 25000 2. मार्केटिंग ऑफिसर 4,वेतन 25000 से 40000 अनुभव 3 वर्ष मार्केटिंग कार्य योग्यता MA/ MBA संपर्क करे- Alert sgs private limited कार्यालय:प्रथम तल 06 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर छत्तीसगढ मोबाइल:- 8720005500.(आरो-815)

ड्रायवर

आवश्यकता है- घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने 2 ड्राइवर की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009. (आरो-959)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकताः सड्डू, रायपुर क्षेत्र हेतु अनुभवी एवं जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है। मोबाइल: +91 9425524905. (आरो-om)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- गोल बाजार में थोक रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़के की अनुभवी / गैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार , लड़किया अनुभवी बायोडाटा सहित मिले हैं। महेश क्लॉथ अलका रेस्टोरेंट के सामने दुकान नं 8 जैन ज्योति कॉम्प्लेक्स चिकनी मंदिर के पास गोल बाजार रायपुर छत्तीसगढ़ मो -9752022866. 7415842111. (आरो-352)

क्लासीफाईड

ऑपरेटर/इंचार्ज

आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर,सेल्स बॉयज, गर्ल्स, ड्राइवर पैकिंग कार्य, गोदाम इंचार्ज की आवश्यकता है गोकुल सुपर बाजार पंडरी। 9827944117. (आरो-2785)

Property प्रापर्टी

मकान/प्लाट

मकान प्लाट बेचना है- रायपुरा गोकुलधाम सोसायटी के सामने भाटागांव रोड़ 800 वर्गफीट पर भूतल पर निर्मित डायवर्सन मकान सर्व सुविधायुक्त मेंन रोड से लगभग 100 फीट अंदर एवं नया राजधानी से लगा जामगांव अभनपुर में 1000 वर्गफीट डायवर्सन प्लाट भाटागांव भर्री खार 600 वर्गफीट डायवर्सन प्लाट बेचना है। इच्छुक व्यक्ति ही संपर्क करें। संपर्क मों. नंबरः- P. L. यदु महामाई परा रायपुर. 8827380696, 9754685471, 7389048751, 8435931717. (आरो-226)

मकान बेचना है- रायपुरा मे 850 वर्गफुट पर 2 बीए.च.के., पी.ओ.पी., सेपरेट बोर, कार पोर्च नवनिर्मित सर्वसुविधायुक्त मकान 5 लाख दे कर अपना शीघ्र रजिस्ट्री कराने पर विशेष छुट फाइनेंस सुविधा 9300505421. (आरो-OM)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

फर्नीचर

बेचना है - 120 स्टूडेंट की क्षमता वाली रीडिंग लाइब्रेरी का फर्नीचर एवं कुर्सी ब्रांड न्यू कंडिशन में अतिशीघ्र बेचना है। संपर्क: - 9131679611, 8109135400. (आरो-993)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों को हरिभूमि (प्रेम प्रकाशन व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152







RERA APPROVED

Business Ka Naya Address अब और भी प्रीमियम

SHRI DWARIKA BUSINESS CENTER PHASE II

पहले फेज़ के शानदार रिस्पॉन्स के बाद
अब अगला मौका आपके लिए

रायपुर के विकसित होते कमर्शियल ज़ोन में

स्मार्ट निवेश का स्मार्ट विकल्प

- ☑ आसान किस्तों में भुगतान
- ☑ 80% तक फायनेंस उपलब्ध
- ☑ सुरक्षित और लाभदायक निवेश

डुमरतराई का प्राइम लोकेशन,
आज का निर्णय, कल की सफलता

Project Developed By - SHRI DWARKA BUILDERS

श्री द्वारिका बिल्डर्स
औषधि वाटिका, मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास,
डूमरतराई, रायपुर (छत्तीसगढ़)

76173 90000,
88179 55000, 70677 53237

SCAN FOR LOCATION

Proejct RERA No. : PCGRERA070126002020 | www.rera.cgstate.gov.in

Hero

हीरो संग त्योहार है हर कहीं...
नवरात्रि की शुभकामनाएँ



हीरो मना रहा है भारत की कला शैलियों का जश्न. पेश है मध्य प्रदेश के **राजू धुर्वे** की **गोंड कला.**

गोल्ड कॉइन और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं@

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10000$ तक
SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹4999* से शुरू

कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹3200* तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. $T&C apply, Offer available only on limited stores. @Limited period offer, T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः रायपुरः छत्तीसगढ़ हीरो, 9289922351, आरसन हीरो, 9289922864, राजधानी हीरो, 9289922414, राजनांदगांवः जय हीरो, 9289922357, धमतरीः सत्योम हीरो, 9289922525, कांकेरः राहुल हीरो, 9289922834, महासमुंदः वत्स हीरो, 9289922623, बलोदाबाजारः अग्रवाल हीरो, 9289922959, आरंगः श्री राम हीरो, 9289922968, बेमेतराः श्री सांई हीरो, 9289922835, कवर्धाः सरस्वती हीरो, 9289922958, जगदलपुरः विजयपाल हीरो, 9289923064, दंतेवाड़ाः जय विजय हीरो, 9289922990, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983, भाटापाराः कुशल हीरो, 9289923052, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्गः उत्सव हीरो, 9289923114, उत्सव हीरो (स्टेशन रोड), 7000595300, एसोशिएट डीलरः रायपुरः संजय ऑटोव्हील, 9289924245, 0771-4266555, पंडरियाः ललित सर्विसेज़, 8770383767, भनपुरीः ओम ऑटो एजेंसी, 6261535855, दोमुहानीः किरण मोटर्स, 9754069392, लवनः गणपति ऑटो, 9926601111/9340379300, भिंभौरीः श्री राम मोटर्स, 8462900028/9340005833, गुरूरः श्री गुरूनानक ऑटो, 8349484458/7224880123, बोड़लाः विक्की मोटर्स, 9755583102, पांडातराईः शक्ति ऑटोमोबाइल्स, 9179035073, अभनपुरः राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरियाः अंकित ऑटो, 9425240565, नवागढ़ः श्री मोटर्स, 9165525555/9009866899, राजिमः गुरूदेव ऑटोमोबाईल्स, 9977280000, सरोराः अग्रवाल मोटर्स, 9424212141, सरायपालीः बंसल ऑटो, 9425513611, डोंगरगढ़ः युवराज मोटर्स, 8085160380, तिल्दाः आरसन मोटर्स, 9340335266, जगदीः हर्ष ऑटो, 8109502100, पाटनः दिव्या ऑटो, 9893492107, बागबाहराः प्रियंका ऑटोकेयर, 9131058752, कोण्डागांवः आहुजा ऑटोमोबाईल्स, 9131794017/9993861888, नारायणपुरः गुरूनानक ऑटो, 9425596290, केशकालः साहिल ऑटो सेल्स, 9893199247, झगरहंडीः किरन ऑटोकेयर, 9754069392, फरसगांवः राजा ऑटोमोबाईल्स, 9425594144, बेरलाः कोन्हा मोटर्स, 98931058752/ 6260472025, कसडोलः बजरंग मोटर्स, 9425511973, बालोदः नैन ऑटोकेयर, 9425563502, लिंगतराः माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स, 9301361155, गरियाबंदः छत्तीगढ़ ऑटो केयर, 8319358443, चरोदाः सत्यम ऑटोमोबाईल्स, 9977155055, गुंदरदेहीः एम.एम. ऑटो, 9893542300/ 8720051135, जामुलः जय अम्बे ऑटो एजेंसी, 9826386346, टिल्दीः भारत मोटर्स, 9993417123, फिंगेश्वरः अभिषेक ऑटो, 9977737000/9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरूदः शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, डरपिनाट- कांकेरः अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूरः रिशान सर्विसेज, 6267323235, गोहारा पादरः गोविंद ऑटो केयर , 9303664769, कुडुकुदुरः दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमाः आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुरः संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुरः दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोलीः शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकीः अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ाः साई मोटर्स, 9754329434, राजिमः राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांवः जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसींवाः श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुरः माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामाः श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुड़ियारीः श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखाराः प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः रायपुरः आरसन हीरो (फाफाडीह), 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला): इंडियन हीरो, 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉपः रायपुरः आरसन मोटर्स (फाफाडीह), 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा), 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः संजय ऑटोमोबाईल्स, 2226732/7474, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुरः आरसन हीरो, 9285052266, भिलाईः इंडियन हीरो, 9289922355, दल्लीराजहराः लक्ष्मी हीरो, 9289922983.

जैकेट के शेष

इंस्टा पर 'ओडिशा साग' का ....

पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जीआरपी को सौंप दिया।

ओडिशा से दूसरे राज्यों तक तस्करी का मुनाफे वाला गणित : स्टिंग के दौरान हुई बातचीत में कीमत को लेकर लगातार मोलभाव हुआ। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ओडिशा में गांजे की कीमत करीब 2,000 से 3,000 रुपये प्रति किलो बताई गई, जबकि दूसरे राज्यों में इसकी बिक्री 15,000 से 20,000 रुपये प्रति किलो तक होने का दावा किया गया। इस अंतर के कारण तस्करी में शामिल लोग जोखिम उठाकर गांजा दूसरे राज्यों तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं। हालांकि वास्तविक खरीद मूल्य, परिवहन खर्च और आरोपियों की कमाई की पुष्टि स्वतंत्र रूप से किया जाना जरूरी है। स्टिंग में आधा किलो गांजे के लिए 8,500 रुपये का सौदा तय हुआ था। **पहले 200 ग्राम, फिर आधा किलो देने को तैयार** : बातचीत के दौरान पैडलर शुरुआत में 200 ग्राम गांजा लाकर देने के लिए राजी हुआ। टीम ने अधिक मात्रा की जरूरत बताई और कीमत को लेकर भी मोलभाव किया। पैडलर ने पहले अधिक मात्रा में गांजा लेने पर कम दर देने की बात कही, लेकिन तत्काल सौदे के लिए 8,500 रुपये पर तैयार हुआ। टीम करीब एक सप्ताह तक पैडलर के संपर्क में रही। इसके बाद डिलीवरी के लिए रायपुर आने की बात तय हुई। पैडलर ने शनिवार को दोपहर 1:27 बजे मैसेज कर रायपुर पहुंचने की सूचना दी। उसने करीब 90 मिनट के भीतर रेलवे स्टेशन पहुंचकर डिलीवरी देने की बात कही।

हरिभूमि ने 8 ....

उसने मोलभाव जारी किया। उसके बाद टीम हरिभूमि ने इसकी खबर पुलिस को दी। पुलिस की सहमति के बाद डील की गई।

ट्रेन आउटर पर रुकी....

भीतर वह रेलवे स्टेशन पहुंचा और फोन कर संपर्क किया। डिलीवरी देने पहुंचते ही सादी वर्दी में मौजूद क्राइम ब्रांच के पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने गांजे को निजी इस्तेमाल के लिए लाने की बात कही। उसने यह भी दावा किया कि वह पहली बार गांजा देने रायपुर आया था और इससे पहले यहां नहीं आया था।

मध्यप्रदेश के तस्करों .....

महासमुंद निवासी सूरज कलेत को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिविल लाइंस थान क्षेत्र के दुर्गा चौक मैदान के पास गांजा की डिलीवरी देने के लिए पहुंचे थे। आरोपियों से गांजे की उपलब्धता, परिवहन, बिक्री एवं सप्लाई नेटवर्क के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

गांजा तस्कर के साथ डील ....

क्या? देखो ना थोड़ा, मेरा कुछ बच जाएगा पैसा, यहां कॉम्पिटिशन भी बहुत है ना रायपुर में। कॉम्पिटिशन इतना ज्यादा है कि ना लोग क्या है कि रेट थोड़ा कुछ अपने को भी पड़ता हो, एक तो एक यहां धर पकड़ भी ज्यादा हो गई है... पैडलर ज्यादा लेंगे तब तो 15 कर दूंगा आपको।

हरिभूमि-आईएनएच जिला ....

और पुलिसिंग पर बात करेंगे। यशवंत जैन प्रदेश महामंत्री भाजपा, यज्ञदत्त शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष लघु वनोपज (राज्य मंत्री) और तोमन साहू चेयरमेन राज्य रेड क्रॉस सोसाइटी एवं उपाध्यक्ष जिला पंचायत भी संवाद में भागीदारी करेंगे। इनके अलावा चैम्बर ऑफ कॉमर्स बालोद के अध्यक्ष हरीश सांखला, अरिहंत एकेडेमी के डायरेक्टर डॉ प्रदीप जैन और आईएमए अध्यक्ष डॉ राहुल अग्रवाल अपने क्षेत्र की दिक्कतों और विकास की संभावनाओं पर बात करेंगे।

इंजीनियरिंग की ...

की 3 हजार 426 सीटों पर एडमिशन के लिए स्ट्रे राउंड पूरा किया जाना है। इसमें छत्तीसगढ़ की 87 सीट शामिल है। जानकारों का तर्क है कि स्ट्रे राउंड के लिए रिक्त सीटों की संख्या ज्यादा दिखने की वजह अप्रवासी भारतीय यानी एनआरआई की सीटों पर कम प्रवेश है। यह सीटें खाली रहने की वजह से उन्हें प्रबंधन कोटे को वापस दिया गया है। छत्तीसगढ़ में शासकीय की 2 और निजी कालेजों में स्टेट और प्रबंधन की लगभग आधा दर्जन सीटों पर प्रवेश नहीं हुआ है। नियम के हिसाब से चौथे राउंड में इसे निजी मेडिकल कालेज प्रबंधन कोटे को वापस कर दिया गया है जिसकी वजह से वहां खाली सीटों की संख्या काफी अधिक दिखाई पड़ रही है।

शिकायतों के निराकरण में ....

दिया। इससे शिकायतों के वास्तविक निराकरण पर सवाल उठे हैं। राज्य शासन नागरिकों की शिकायतों के समयबद्ध और प्रभावी समाधान को लेकर गंभीर है। इसी क्रम में अगस्त और सितंबर के दौरान सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लोक निर्माण विभाग से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि एल-1, एल-2 और एल-3 स्तर पर अनेक शिकायतों को ऐसी टिप्पणियों के साथ बंद किया गया, जिनसे यह स्पष्ट नहीं होता कि संबंधित समस्या का समाधान हुआ है या नहीं।

एल-1 स्तर के पांच अधिकारियों को नोटिस : शिकायतों के असंतोषजनक निराकरण के मामले में एल-1 स्तर पर राष्ट्रीय राजमार्ग उप संभाग बिलासपुर के अनुविभागीय अधिकारी अतुल राज पेगवार, बेमेतरा उप संभाग के राजेश कुमार बाजपेयी, पेंड्रा उप संभाग के जगदीश प्रसाद, सेतु उप संभाग दुर्ग के अशोक कुमार हरियाले और पाटन उप संभाग की सोनल ढालेन्द्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एल-2 स्तर पर पांच कार्यपालन अभियंता घेरे में : एल-2 स्तर पर शिकायतों का उचित निराकरण नहीं किए जाने पर बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता केशव प्रसाद लहरे, कोरबा संभाग के घासीराम जांगड़े, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग बिलासपुर के रोशन कुमार साहू, सारंगढ़ संभाग के प्यारे लाल पैकरा और कांकेर संभाग की प्रज्ञा नंद को नोटिस जारी किया गया है।

एल-3 स्तर के तीन अधीक्षण अभियंताओं से जवाब तलब : इसी तरह, एल-3 स्तर पर शिकायतों को बिना सारगर्भित टिप्पणी के बंद करने के मामले में रायपुर मंडल क्रमांक-2 के अधीक्षण अभियंता डीके नेताम, दुर्ग मंडल की अधीक्षण अभियंता अर्पणा चौरपगार और राष्ट्रीय राजमार्ग मंडल बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता महादेव लहरे को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

फील्ड में खुद उतरे ....

प्रतिष्ठानों को जांच के दायरे में लाया। जांच के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की व्यवस्था अत्यंत खराब पाई गई। जांच के दौरान इन दुकानों में बिकने के लिए रखे गए खोवा, कुंदा, पनीर, बूंदी, बेसन, कलाकंद पर मक्खियां भिनभिना रही थीं और कुछ के आसपास कॉकरोच घूम रहे थे। मिठाइयों को बिक्री के लिए असुरक्षित ढंग से दराज में रखा गया था, जिससे वहां धूल-मिट्टी घुसने का अंदेशा था। इसी तरह वहां ग्राहकों को बेचने के लिए रखा गया 10 किलो पनीर भी मिला, जिसमें मिलावट का अंदेशा था। जांच टीम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए चारों प्रतिष्ठानों का लाइसेंस निलंबित कर और कमियों को दूर करने तक वहां खाद्य पदार्थों के निर्माण और बिक्री पर रोक लगा दी है।

सैंपल भी उठाए गए...

जांच रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों के अमानक पाए जाने पर संबंधित खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

पेज एक के शेष

वनदेवी...जहां चढ़ाए...

पर इंसान की हर मनोकामना पूरी हो जाती है। बिलासपुर में भी इसी तरह की देवी हैं, जिन्हें भक्त पत्थर चढ़ाते हैं, मान्यता है कि पत्थर के चढ़ावे से देवी मां खुश जा जाती हैं। खमतराई में वनदेवी का एक अनोखा मंदिर है, जहां माता को नारियल, फूल, पूजा सामग्री का चढ़ावा नहीं चढ़ाया जाता, बल्कि यहां प्रसाद के रूप में कंकड़ व पत्थर का चढ़ावा चढ़ाया जाता है। इस अनोखी परंपरा का पालन सदियों से किया जा रहा है। इस मंदिर के पुजारी अश्वनी तिवारी बताते हैं कि वनदेवी के मंदिर में मान्यता है कि मन्नत पूरी होने से पहले और बाद में श्रद्धालुओं को पांच-पांच कंकड़ या पत्थर का चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मंदिर में कोई भी पत्थर चढ़ावे के रूप में नहीं चढ़ाया जा सकता, बल्कि खेतों में मिलने वाला गोटा पत्थर ही बस चढ़ाने की परंपरा है। इस पत्थर को चमरगोटा कहते हैं। इस अनोखी परम्परा के बारे में जानकर दर्शन करने और मनोकामना लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं. यहां उनकी मन्नत पूरी भी होती है। इस मंदिर की स्थापना और बगदाई देवी की कहानी बेहद रोचक है। करीब 100 साल पहले यहां घना जंगल हुआ करता था। इस जंगल में जंगली जानवरों का बसेरा था, उस दौरान एक चरवाहे को माता वनदेवी के दर्शन हुए। माता ने सपने में आकर बताया कि वे जंगल में विराजमान हैं और जब चरवाहे ने वहां जाकर देखा तो सचमुच माता की मूर्ति दिखाई दी। उसने माता से कहा कि वह गरीब है और उसके पास पूजा के लिए कुछ नहीं है, तब माता ने उसे समझाया कि जो चीज आस-पास मिले, वही अर्पित कर दें। व्यक्ति ने खेत में पड़े गोटे उठाकर माता को अर्पित कर दिए। तभी से यहां गोटा चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई और आज तक जारी है।

मन्नत वाली महाकाली...

दिलाती है। मध्यप्रदेश से बाहर तक फैली ख्यातिः मन्नत वाली महाकाली के प्रति आस्था का दायरा जबलपुर और मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान सहित दूसरे राज्यों के श्रद्धालु भी यहां प्रतिमा स्थापित करने के लिए उत्सुक रहते हैं। दूर-दराज से जुड़े भक्तों के लिए माता की प्रतिमा स्थापित करना विशेष धार्मिक अवसर माना जाता है। लंबे इंतजार के बावजूद श्रद्धालुओं की रुचि इस परंपरा के प्रति उनके विश्वास को दर्शाती है।

127 वर्षों से विराजमान ...

माता के प्रति भक्तों की अटूट आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रतिमा स्थापना के लिए वर्ष 2045 तक बुकिंग हो चुकी है। इसके बाद समिति ने अपने निर्णय के अनुसार बुकिंग बंद कर दी है। अब माता के भव्य स्वरूप को और आकर्षक बनाने के लिए करीब दो किलो सोने का मुकुट तैयार कराने की तैयारी की जा रही है।

कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में ...

जिससे यह 'दुखद घटना' हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जैसे ही बारिश शुरू हुई, चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल के बाहर प्रतीक्षा कर रही भीड़ आगे की ओर भागी, जिससे कुछ लोग सड़क पर गिर गए और भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री सरदवत मुखर्जी और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत अस्पताल पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर आपदा प्रबंधन कर्मियों को तैनात किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह चोरबागान पूजा पंडाल में भगदड़ जैसी स्थिति की खबर से बेहद स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा, चोरबागान पूजा पंडाल में भगदड़ की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख और सदमा पहुंचा है। मैं मां दुर्गा से प्रार्थना करती हूं कि सभी घायल लोग जल्द स्वस्थ हो जाएं और इस कठिन समय में उनके परिवारों को शक्ति और साहस मिले।

कमेटी के पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा : चोरबागान सार्वजनीन दुर्गा पूजा पंडाल में हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए चोरबागान सार्वजनीन दुर्गोत्सव समिति के महासचिव जयंत बनर्जी और कार्यकारिणी के तमाम पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। घटना के बाद से ही पूजा समिति और स्थानीय प्रबंधन पर लगातार सवाल उठाए जा रहे थे।

बांग्लादेश के रिजॉर्ट में लगी आग, 10 लोगों की दर्दनाक मौत

ढाका। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में शनिवार सुबह समुद्र किनारे बने एक रिजॉर्ट में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के 6 सदस्य शामिल हैं। आग सुबह करीब 7:25 बजे टुपटुप रेस्टो एंड रिजॉर्ट में लगी। तीन मंजिला लकड़ी की इमारत आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। रिजॉर्ट के पास आग से बचाव के इंतजामों की मंजूरी नहीं थी। जून में चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने इसे लेकर चेतावनी भी दी थी। बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम आलो ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। इसके बाद यह आग एयर कंडीशनर में लगी। गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने की असली वजह का पता चल सकेगा। आग लगने के समय रिजॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे। इनमें से 4 से 5 लोग किसी तरह बाहर निकलने में कामयाब रहे। बाकी लोगों के बारे में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाई

तीन मंजिला रिजॉर्ट बांस और लकड़ी से बना था। यह कॉक्स बाजार के लोकप्रिय समुद्र तटीय इलाके कोलातोली के बाहरी हिस्से में स्थित था। यह जगह राजधानी ढाका से करीब 410 किलोमीटर दूर है। रिपोर्ट के मुताबिक अशिकुल इस्लाम अपने परिवार के साथ रिजॉर्ट में छुट्टियां मनाने आए थे। आग लगने पर उन्होंने दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। हालांकि, उनकी पत्नी इसरत जहां मलिहा और परिवार के पांच और लोगों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, अब तक जिन 10 मृतकों की पहचान हुई है, उनमें इसरत जहां मलिहा (30), मिलिता मेहेजाबीन अल्वी (23), लैला जहां नाबिला (27), नफिस्ता मीम (27), फरिहा कबीर (33) और पांच साल का फैजान अहमद शामिल हैं।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
94060-21769

ईडी ने पिनाराई के घर पर नोटिस चिपकाया

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल के पूर्व सीएम पिनाराई विजयन को शनिवार को ईडी ने समन भेजा। तिरुवनंतपुरम स्थित किराए के घर पर समन का नोटिस चिपकाया।

एजेंसी ने उन्हें 23 अक्टूबर को सुबह 11 बजे पेश होकर बयान दर्ज कराने और संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा है। विजयन पर दो कंपनियों सीएमआरएल और एक्सालॉजिक के बीच हुए पैसों के लेन-देन में गड़बड़ी का आरोप है। जिसमें से एक कंपनी एक्सालॉजिक उनकी बेटी की है। विजयन पर मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। इस मामले में केरल विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो ने पहले से ही दो एफआईआर दर्ज की हैं। अब मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हाथों में है। इससे पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने विजयन की उस तत्काल याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

जिसमें उन्होंने 2.78 करोड़ रुपये के सीएमआरएल और एक्सालॉजिक मामले में विजिलेंस की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। विजयन ने गिरफ्तारी की आशंका भी जताई थी। ईडी अब इस मामले के मनी लॉन्ड्रिंग पहलू की जांच कर रही है। इसी सिलसिले में विजयन को 23 अक्टूबर को कोच्चि स्थित ईडी कार्यालय में पेश होने और रिकॉर्ड देने के लिए समन किया गया है।

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मवशिवास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवशिवास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा ।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु — कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवशिवास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं: मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सभी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

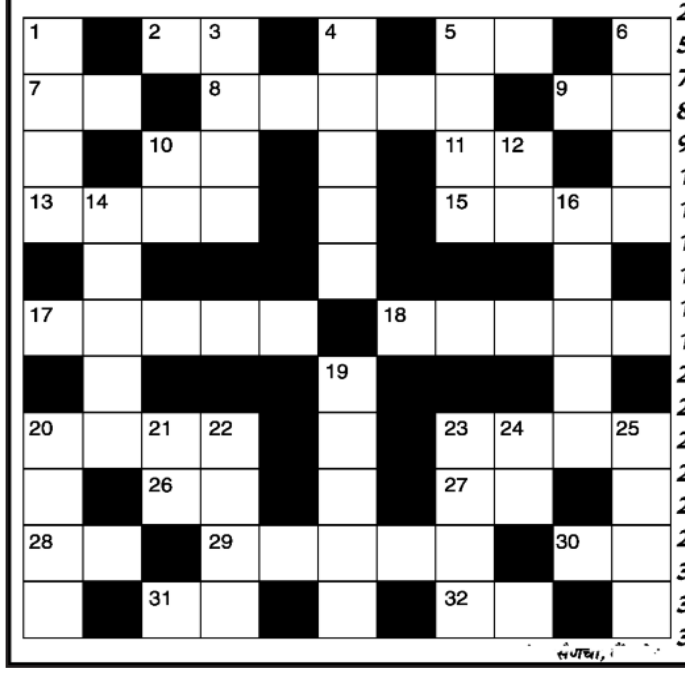
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

शब्द पहेली - 6381



बाएँ से दाए-
2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे
1. बंदूक की गोली-4
25. नाकारा, बेकार-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2

शब्द पहेली -6380 का हल

का	म	या	ब	■	र	■	श	ब	न	म
■	म्मी	■	र	फू	च	क्र	र	■	में	■
आ	■	मा	स	■	ना	■	मा	ह	■	प्र
स	ह	ला	ना	■	का	■	ना	रा	य	ण
■	ब	■	■	■	र	■	■	■	ज्ञो	■
ह	क	ब	का	ना	■	अ	प	ना	प	न
■	र	■	■	■	ख	■	■	■	वी	■
मे	धा	ल	य	■	ल	■	क	म	त	र
ध	■	त	म	■	ना	■	ल	त	■	क्षा
■	यं	■	रा	सा	य	नि	क	■	कै	■
म	हा	रा	ज	■	क	■	ल	म्बो	द	र

सूडोकु नवताल - 6391

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6390 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

तरकश

संजय के. दीक्षित

डेटा का खेल, सीएम की खरी-खरी

सीएम विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को सीएम हेल्पलाईन का रिव्यू किया। इसमें सभी जिलों के कलेक्टर भी वर्चुअली कनेक्ट थे। कुछ जिलों में काफी अच्छे काम हुए हैं मगर कई जिलों में शिकायतों की पेंडेंसी देख सीएम तल्ख हो गए। खासकर, राजस्व मामलों को लेकर...सीमांकन, बटांकन के मामले कई जिलों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोगों ने सीएम हेल्पलाइन में कांप्लेन दर्ज कराया, इसके बाद भी कलेक्टरों ने सुध नहीं ली। उल्टे, रिव्यू के दौरान कुछ कलेक्टरों ने आंकड़ों के जरिये भरमाने का प्रयास किया। इस पर सीएम बोले...डेटा का खेल मत कीजिए...सीएम हेल्पलाईन का निबटारा टाईम लिमिट में होना चाहिए। उन्होंने कवर्धा जिले के एक तहसीलदार को मीटिंग में ही सस्पेंड कर दिया तो एक जिले के तहसीलदार को शोकाज नोटिस जारी किया गया। बताते हैं, कलेक्टरों को यह अनुमान नहीं था कि सीएम सीधे हेल्पलाइन का रिव्यू करेंगे और वो भी कलेक्टरों को कनेक्ट करके। कलेक्टरों को जैसे ही खबर मिली दिन-रात एक कर डेटा का खेल करने का प्रयास किया मगर फिर भी कई पकड़े गए। इसमें सबसे अहम बात यह है कि सीएम ने कहा कि वे अब हर महीने हेल्पलाईन का रिव्यू करेंगे। उधर, रिव्यू के अगले दिन अवकाश होने के बाद भी सीएम सचिवालय हरकत में आया और 13 अफसरों को इसी मामले में नोटिस जारी करवा दिया। खैर, इस स्तंभ में हमने कई बार लिखा है कि कलेक्टर राजस्व मामलों में बिल्कुल दिलचस्पी नहीं लेते। न वे कोर्ट में बैठते और न कभी तहसील की तरफ झांकने का कष्ट करते। कलेक्टर अगर चाह लें तो महीने भर के भीतर सारे मामले खतम हो जाएंगे, जिसको लेकर लोग सालों से भटक रहे, या फिर लड़ाई-झगड़ा, फसाद, कोर्ट-कचहरी करना पड़ता है। चलिये, अब हर महीने रिव्यू के बाद राजस्व अमले की मनमानी पर कुछ तो अंकुश लगेगा।

सरकारी अस्पताल में कलेक्टर

रायपुर से जस्ट लगे एक बड़े जिले के कलेक्टर की दो दिन पहले तबियत बिगड़ गई थी। उनके पेट में इंफेक्शन था। उन्होंने बड़े प्रायवेट अस्पताल में जाने की बजाए सरकारी हॉस्पिटल में जाना बेहतर समझा। उपचार के बाद अगले दिन वे डिस्चार्ज हो गए। हालांकि, किसी भी चीज के दो पहलू होते हैं। पहला, कलेक्टर को भला क्या दिक्कत हुई होगी...उनके लिए पूरा सिस्टम बिछ गया होगा। या फिर यह...उन्होंने दिखावे के लिए सरकारी अस्पताल को चुना। मगर दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि कलेक्टर के अस्पताल में रहने से कम-से-कम दो दिन वहां की व्यवस्था दुरूस्त हो गई होगी। इसी तरह वीआईपी, वीवीआईपी अगर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचने लगे तो निश्चित तौर पर सरकारी अस्पतालों के सिस्टम में सुधार आएगा। डॉक्टर टाईम पर ओपीडी में बैठने लगेंगे, दवाइयां उपलब्ध हो जाएंगी...इसका लाभ कमजोर वर्ग के लोगों को मिलेगा। सो, कलेक्टर ने जो किया, अच्छा किया। बहुत गंभीर बीमारी न हो तो सक्षम और प्रभावशाली लोगों को सरकारी अस्पतालों का रुख करना चाहिए। उससे सरकारी सिस्टम पर आम आदमी का विश्वास बढ़ेगा।

ट्रांसफर में अब मनीराम नहीं?



छत्तीसगढ़ के कई मंत्रियों ने ट्रांसफर का शो-रुम खोल लिया था, उस पर अब ब्रेक लग सकता है। दरअसल, नव नियुक्त प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी से सूबे के एक बीजेपी लीडर सौजन्य भेंट करने गए थे। वहां जाने से पता चला कि प्रदेश प्रभारी को छत्तीसगढ़ आए बिना ही सब कुछ पता चल चुका है...कौन मंत्री क्या कर रहा है। जाहिर है, पिछली सरकार में ये खेल शुरू हुआ था, मगर इस समय एक कदम आगे वाली स्थिति है। पोस्टिंग के बाद अब हर साल रिचार्ज सिस्टम लागू हो गया है। स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि पोस्टिंग से पहले बोली लग रही। अच्छे अफसर लूप लाईन में और खटराल अधिकारी मौज काट रहे। इससे सिस्टम की साख पर असर पड़ रहा...सरकार द्वारा किए जा रहे ऐतिहासिक सुधार के कार्य भी दब जा रहे। बहरहाल, ऐसे मंत्रियों की अब शामत आ सकती है...स्मृति किस अंदाज में बात करती है, बताने की जरूरत नहीं।

फॉरेस्ट में पोस्टिंग

फॉरेस्ट में सीतानदी टाईगर रिजव से वरुण जैन को बदले जाने की खबर आ रही है। हालांकि, उन्हें डेपुटेशन पर एनआईए में दिल्ली जाना था। मगर अभी तक वहां से कुछ क्लियरेंस मिला नहीं। सो, अब उन्हें बदले जाने की कवायद प्रारंभ हो गई है। वे वहां करीब चार साल से पोस्टेड थे। वरुण को वन भूमि से अतिक्रमण हटाना महंगा पड़ गया। वरुण हटेंगे तो आईएफएस अधिकारियों का एक छोटा चेन बन ही जाएगा। उधर, रेंजर और रेंजर से प्रमोट हुए एसीएफ की पोस्टिंग भी अगले हफ्ते होने के संकेत मिल रहे हैं।

पीएससी चेयरमैन की नियुक्ति

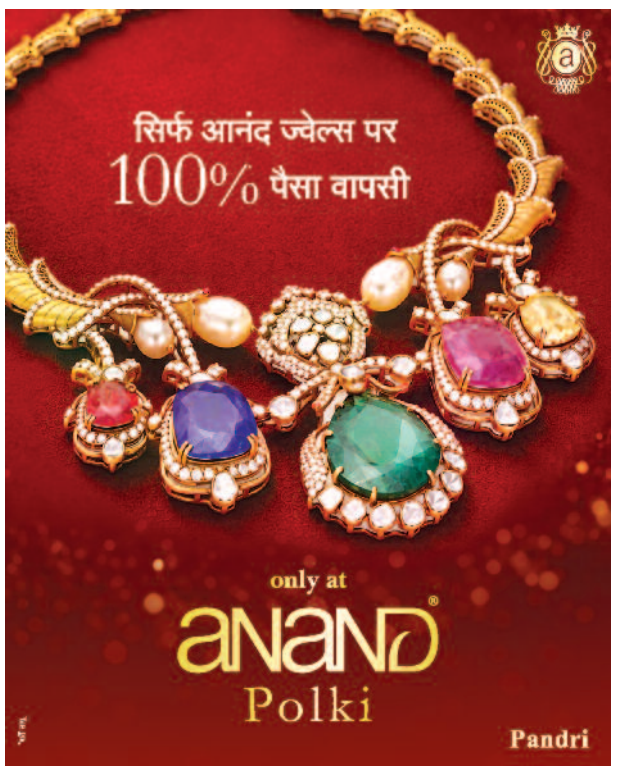
जेन जी के आंदोलन के दौर में छत्तीसगढ़ में पीएससी चेयरमैन और मेंबर के पद पिछले दो महीने से खाली पड़े हुए हैं, यह सरकार के लिए चिंता का सबब बन गया है। दरअसल, भर्तियों को लेकर दागदार हो चुका पीएससी में सरकार किसी ठीकठाक व्यक्ति को बिठाना चाहती है मगर वो तलाश पूरी नहीं हो पा रही। अपुष्ट खबर है, अगले साल रिटायर होने वाली प्रदेश की सबसे सीनियर आईएएस रेणु पिल्ले से इसके लिए पूछा गया, मगर शायद वह तैयार नहीं हुईं। दूसरा कोई डायरेक्ट आईएएस इस समय रिटायर नहीं होने वाला। वैसे, 62 वर्ष वाले इस पोस्ट पर रिटायरमेंट के बाद कोई ब्यूराक्रेट्स आना नहीं चाहता क्योंकि 60 में रिटायर होने के बाद उसे दो साल ही मिलता है। डीजीपी मोहन शुक्ला, अशोक दरबारी, और आईएएस केएम पिस्दा नौकरी से वीआरएस लेकर चेयरमैन बने थे, इसलिए उन्हें पीएससी में ठीकठाक टाईम मिल गया था। मगर पोस्ट रिटायरमेंट के लिए बाकी अफसर पांच साल वाली पोस्टिंग को प्राथमिकता देते हैं। कुल मिलाकर ताजा अपडेट यह है कि अगले हफ्ते किसी भी दिन नए चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्ति हो जाएगी। चेयरमैन की तलाश सरकार ने पूरी कर ली है। खबर है, कोई बढ़ियां पोस्टिंग होने वाली है।

तीन नए डीजी और रोड़ा

छत्तीसगढ़ में तीन आईपीएस अफसरों को डीजी बनाए जाने की अटकलें बड़ी तेज हैं। यह जरूरत इसलिए पड़ रही कि डीजी बनने की 30 साल की एजिबिलिटी तीन आईपीएस अधिकारियों ने क्रॉस कर लिया हैं। एक तरह से कहा जाए, तो यह उनके साथ अन्याय है। खासतौर से एसआरपी कल्लूरी के साथ। सरगुजा से नक्सलियों का पैर उखाड़ने वाले 94 बैच के आईपीएस कल्लूरी को 2024 में ही डीजी बन जाना चाहिए था। उनके दोनों बैचमेट डीजी बन चुके हैं। मगर वे बेचारे अभी भी मुंह ताक रहे। उनके अलावे 95 बैच के प्रदीप गुप्ता और 96 बैच के विवेकानंद का भी प्रमोशन ड्यू है। असल में दिक्कत यह है कि छत्तीसगढ़ में डीजी के पद चार ही हैं। दो कैडर और दो एक्स कैडर। इस पर अरुणदेव गौतम, पवनदेव, जीपी सिंह और हिमांशु गुप्ता पोस्टेड हैं। इनमें से गौतम के अगले साल जुलाई में रिटायर होने पर एक पद खाली होगा और दूसरा जुलाई 2028 में पवनदेव के जाने के बाद। बाकी जीपी और हिमांशु का रिटायरमेंट में काफी टाईम है। इसको देखते सरकार ने तय किया कि कल्लूरी, प्रदीप और विवेकानंद को स्पेशल डीजी बना दिया जाए। इसके लिए फाइल भी चली है मगर उसमें लिंगारान करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं।

पुलिस का दुर्भाग्य या...?

पद खाली नहीं रहने पर राज्य सरकार को डीजी बनाने का अधिकार है। पंजाब में इस समय ऐसे 12 डीजी हैं। छत्तीसगढ़ में भी रमन सरकार ने 2029 में विधानसभा चुनाव के आचार संहिता के आधा घंटा पूर्व कैबिनेट के जरिये संजय पिल्ले, आरके विज और मुकेश गुप्ता को डीजी बनाया था। उस समय पिल्ले के लिए एक पद वैकेंट था मगर विज और गुप्ता के लिए पद नहीं था। अब सुनने में आ रहा कि नए डीजी के लिए ब्रेकर लगाए जा रहे हैं...भारत सरकार से अनुमति मांगने की बातें हो रही। उसके लिए पिछली सरकार का हवाला दिया जा रहा कि सरकार ने संजय पिल्ले, आरके विज और मुकेश गुप्ता को डिमोट कर दिया था। मुकेश गुप्ता जब कोर्ट गए तो सरकार ने तर्क दिया कि बिना केंद्र की अनुमति के डीजी बना दिए गए थे। मगर सवाल यह भी उठता है कि मुकेश गुप्ता का नाम उसमें अगर शामिल नहीं होता तो पिछली सरकार ऐसा करती क्या। कुल मिलाकर राज्य कैबिनेट चाहे तो दो साल के लिए डीजी बना सकता है। आखिर, इसी सरकार ने पद ना होने के बाद भी आईएफएस एसएस बजाज को पीसीसीएफ बनाया ही था। फिर अभी पिछले साल भी पीसीसीएफ के मामले में राज्य सरकार ने जब केंद्र से पूछा तो वहां से यही लिखकर आया, राज्य सरकार सक्षम है। कुल मिलाकर पुलिस महकमे का ये दुर्भाग्य कहें या नाकारापन कि केंद्र सरकार नक्सलियों के खात्मा करने को लेकर वाहवाही लूट रही, उस राज्य की पुलिस अपने अफसरों के लिए डीजी का पोस्ट क्रियेट नहीं करवा पा रही।



पर्यटन और विप्र

पर्यटन विभाग को स्थापित करने का दायित्व सरकार ने ब्राम्हण अफसरों को सौंप दिया है। इस समय बोर्ड के चेयरमैन हैं नीलू शर्मा। एमडी बनाया गया है आईएएस सौमिल रंजन चौबे को। राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी पूनम शर्मा और पुष्पेंद्र शर्मा डीजीएम हैं। इनके नीचे भी कई ब्राम्हण अधिकारी अनुराधा दुबे, राकेश मिश्रा...पर्यटन बोर्ड में अहम दायित्व संभाल रहे हैं। पर्यटन बोर्ड में इस पर खूब चुटकी ली जा रही...पर्यटन को उबारने के लिए सरकार ने विप्र जनों को ही क्यों चुना?

नाइंसाफी की पराकाष्ठा!

जब पुलिस मुख्यालय अपने सीनियर अफसरों के सम्मान का ध्यान नहीं रख रहा तो राज्य पुलिस सेवा और उसके नीचे वालों के बारे में भला कौन सोचने वाला है। राज्य पुलिस सेवा का हाल ये है कि 2005 बैच के सभी अफसर अभी आईपीएस नहीं बने हैं। जबकि, राज्य प्रशासनिक सेवा में 2013 बैच का आईएएस बनना प्रारंभ हो गया है। याने रापुसे अधिकारी राप्रसे से आठ साल पीछे चल रहे हैं। बाकी नीचे वाले बेचारे टीआई, एसआई और सिपाही-हवलदार को कौन पूछता है। विडंबना तो ये है...ये तब हो रहा, जब छत्तीसगढ़ में अब तक के सबसे काबिल गृह मंत्री हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय में उनका सीधा कनेक्शन है। ऐसा लगता है, पुलिस वाले खुद भी इतनी गुटबाजी में व्यस्त हैं कि गृह मंत्री से समक्ष अपना पक्ष रख भी नहीं पाते होंगे। बहरहाल, पुलिस अफसरों को एक बार चीफ सिकेट्री को भी प्रेजेंटेशन देना चाहिए। सीएस आखिर पूरे राज्य के प्रशासनिक प्रमुख होते हैं। किसी भी विभाग का डीपीसी आरगेनाइज करने से लेकर कैबिनेट के पदेन सिकेट्री भी होते हैं।

ट्रांफसर पर यू टर्न

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के ट्रांसफर में भले ही लेट हुआ मगर सिस्टम ने अच्छा काम किया। वरना, पहले तो 10 से 25 पेटी की बोली लग रही थी। सीएम सचिवालय ने लिस्ट पर पहले ब्रेक लगाया और फिर 150 अफसरों की लिस्ट जारी की तो उसे काफी एप्रिसियेट किया गया। उतनी बड़ी लिस्ट में आठ-दस ही एप्रोच, सिफारिश वाले होंगे। मगर कल शुक्रवार को जीएडी ने 18 अफसरों का संशोधित लिस्ट जारी किया, उसका मैसेज अच्छा नहीं गया। आखिर, रायपुर में चार साल से जमे कोई राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को हटाया क्यों नहीं जाना चाहिए? ऐसे कई लोग सिफारिश की बदौलत अपना ट्रांसफर चेंज कराने में सफल हो गए। हो सकता है, इसके पीछे राजनीतिक मजबूरियां हों मगर उसके लिए भी कई तरीके हैं। चार-छह महीने बाद भी उन्हें चेंज किया जा सकता था।

मंत्रिमंडल में असंतुलन

25 अक्टूबर को नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी आ रही हैं। उनके दौरे का शेड्यूल आने के साथ ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें शुरू हो गई है। मंत्रिमंडल की सर्जरी में सबसे बड़ा इश्यू होगा रिजल्ट देने वाले चेहरों के साथ क्षेत्रीय असंतुलन को ठीक करना। अभी स्थिति यह है कि सरगुजा से चार मंत्री हैं, और बस्तर से सिर्फ एक। अगल-बगल की सीट से पार्टी ने दो-दो डिप्टी सीएम बना दिया। जाहिर है, लोरमी और कवर्धा लगभग लगा हुआ ही है। फिर उसी लोरमी से केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू भी। यही नहीं, विभागों के बंटवारे में भी यही स्थिति है। अब सर्जरी में बस्तर का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाएगा। हो सकता है, बस्तर से अब तीन मंत्री हो जाएं। सरगुजा में खतरा लक्ष्मी राजवाड़े और राजेश अग्रवाल को ज्यादा दिख रहा। अब स्मृति ईरानी की नजर तिरछी हो जाए तो बात अलग है वरना सरगुजा से श्याम बिहारी खुद को काफी मजबूत पोजिशन में कर लिए हैं। टंकराम वर्मा और दयालदास बघेल को लेकर भी डेंजर जोन का परसेप्शन बना हुआ है। मगर बीजेपी की सियासत में जब तक शपथ लेने वाले मंत्रियों की लिस्ट फायनल न हो जाए, तब तक गारंटी के साथ कुछ कहा नहीं जा सकता।

75 परसेंट विभाग बदलेंगे

जैसे की खबरें आ रहीं...मंत्रिमंडल में सिर्फ सर्जरी ही नहीं होगी, 75 परसेंट विभाग भी बदले जाएंगे। मंत्रियों के चेहरे बदलने के साथ विभाग बदलने का मकसद ये है कि आम आदमी को सिस्टम में बदलाव महसूस हो। और फिर यह भी कि जो मंत्री तीन साल में कुछ नहीं कर पाया अब डेढ़ साल में क्या ही कर लेगा। इससे अच्छा है कि उसका विभाग ही बदल दिया जाए। नया मंत्री कम-से-कम कुछ तो अच्छा करने का प्रयास करेगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का कोई सदस्य बन सकता है बीजेपी का नया प्रदेश अध्यक्ष?
2. पीएससी का नया चेयरमैन अफसरशाही से होगा या कोई शिक्षाविद या टेक्नोक्रेट?

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

बिजनेस साइट

हैवी नेकलेस सेट से लेकर ब्राइडल ज्वेलरी तक की वैरायटी

त्योहारों में शाही लुक के लिए एसबी बाय एटी ज्वेलर्स का 'दिव्य कलेक्शन' लॉन्च

रायपुर। धनतेरस, दीपावली और शादी-ब्याह के सीजन को देखते हुए सराफा बाजार में रौनक बढ़ने लगी है। ग्राहक पारंपरिक आभूषणों के साथ आधुनिक डिजाइन और हल्के गहनों को भी पसंद कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए एसबी बाय एटी ज्वेलर्स ने अपना 'दिव्य कलेक्शन' पेश किया है। इसमें भारतीय आभूषण कला, शाही अंदाज और आधुनिक डिजाइन का मेल देखने को मिलता है।

एसबी बाय एटी ज्वेलर्स के डायरेक्टर सौरभ बरड़िया ने बताया कि त्योहारों का संबंध केवल खरीदारी से नहीं, बल्कि परंपराओं, रिश्तों और खुशियों से भी है। भारतीय संस्कृति में सोने-चांदी के आभूषणों



का विशेष महत्व है। इसी को ध्यान में रखते हुए दिव्य कलेक्शन तैयार किया गया है, जिसमें ग्राहकों की पारंपरिक पसंद के साथ आधुनिक स्टाइल को भी जगह दी गई है।

गुणवत्ता और पारदर्शिता पर जोर

डायरेक्टर सिद्धार्थ बरड़िया ने बताया कि दिव्य कलेक्शन उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है, जो त्योहारों और पारिवारिक समारोहों में आकर्षक व शाही लुक चाहते हैं। कलेक्शन में उत्सवी आयोजनों से लेकर विवाह समारोहों तक के लिए अलग-अलग डिजाइन उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि ज्वेलरी खरीदते समय ग्राहक डिजाइन के साथ गुणवत्ता, कारीगरी और विश्वसनीयता को भी महत्व देते हैं। कंपनी का उद्देश्य भारतीय परंपरा और आधुनिकता के मेल वाले आभूषण उपलब्ध कराना है। एसबी बाय एटी ज्वेलर्स के रायपुर स्थित सदर बाजार और भिलाई के नेहरू नगर शोरूम में ग्राहक दिव्य कलेक्शन देख सकते हैं।

जियो आईपीओ को लेकर निवेशकों में भारी उत्साह, 2.5 लाख करोड़ की मांग

21 से 23 अक्टूबर तक खुलेगा आईपीओ, 19 अक्टूबर को एंकर निवेशकों की बोली

एजेंसी ▶▶| मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स के आगामी आईपीओ को लेकर निवेशकों के बीच काफी दिलचस्पी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक आईपीओ में निवेश के लिए घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए की मांग सामने आई है। यह राशि लगभग 30,200 करोड़ रुपए के प्रस्तावित इश्यू आकार से आठ गुना से भी अधिक है। हालांकि, यह शुरुआती दिलचस्पी है, इसे आईपीओ के औपचारिक अभिदान का आंकड़ा नहीं माना जा सकता। एक ओर संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी चर्चा में है, वहीं दूसरी ओर खुदरा निवेशकों के लिए भी कई ब्रोकरेज मंचों पर प्री-ब्रुकिंग यानी प्री-अप्लाई की सुविधा शुरू हो गई है। इससे निवेशक आईपीओ खुलने से पहले ही अपना आवेदन दर्ज कर सकते हैं। हालांकि, वास्तविक अभिदान और निवेशकों की अंतिम मांग का आकलन आईपीओ खुलने के बाद ही किया जा सकेगा। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों की बोली 19 अक्टूबर को निर्धारित है। इसके बाद आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। एंकर निवेशकों की बोली और आवंटन से संस्थागत मांग की वास्तविक स्थिति को समझने में मदद मिलेगी।



रिपोर्टों के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में दिलचस्पी दिखाने वाले संस्थागत निवेशकों में विदेशी दीर्घकालिक निवेश कोष, सरकारी संपत्ति कोष, बड़े म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियां शामिल हैं। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में आवेदन करने के इच्छुक खुदरा निवेशकों के लिए कई ब्रोकरेज मंचों पर प्री-अप्लाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत निवेशक आईपीओ खुलने से पहले अपना आवेदन दर्ज कर सकते हैं, जिसे निर्गम खुलने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ाया जाता है।

1,119 रुपए प्रति शेयर तक होगा मूल्य

जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का मूल्य दायरा 1,065 से 1,119 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। न्यूनतम आवेदन 12 शेयरों के एक लॉट के लिए होगा। ऊपरी मूल्य दायरे के आधार पर एक लॉट खरीदने के लिए निवेशक को 13,428 रुपए की राशि की आवश्यकता होगी। निवेशकों को आवेदन करने से पहले मूल्य दायरे, लॉट आकार और निर्गम से जुड़े अन्य नियमों की जानकारी ध्यान से पढ़ने की सलाह दी जाती है।

एक बढ़ती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था

ये सभी कारक तेजी से बढ़ते बाजार में मौजूद हैं। एसएमसी ग्लोबल भारतीय दूरसंचार और डिजिटल सेवा उद्योग को "डेटा की खपत में भारी वृद्धि, आक्रामक 5जी रोलआउट और फाइबर ब्रॉडबैंड की बढ़ती पहुंच के कारण वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक" के रूप में वर्णित करता है। जीईपीएल के नोट में उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के मोबाइल ब्रॉडबैंड का अनुमानित राजस्व प्रतिफल (एआरपीयू) वित्त वर्ष 2026 में रू.199.5 से बढ़कर वित्त वर्ष 2031 तक रू. 326.4 हो जाएगा। कुल मिलाकर, कंपनी की रणनीति ग्राहक वृद्धि, एआरपीयू में सुधार, डिजिटल सेवा पहुंच बढ़ाने और उद्यम एवं अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पेशकशों के माध्यम से राजस्व में विविधता लाने पर केंद्रित है, जो निरंतर राजस्व वृद्धि और दीर्घकालिक लाभप्रदता को बनाए रखने में सहायक हो सकती है।"

स्टारशाइन की 20 लाख घरों तक पहुंच विक्की कौशल बने ब्रांड एंबेसडर

एयर कूलर से लेकर वॉशिंग मशीन तक उत्पाद श्रृंखला

रायपुर। आधुनिक घरेलू जीवनशैली को अधिक सुविधाजनक और स्मार्ट बनाने की दिशा में स्टारशाइन ने 20 लाख से अधिक घरों तक पहुंचने की उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ अभिनेता विक्की कौशल को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। कंपनी का मानना है कि इस साझेदारी से ब्रांड की आधुनिक सोच और स्मार्ट लिविंग से जुड़ा संदेश व्यापक उपभोक्ता वर्ग तक पहुंचेगा। 'डिजाइन्ड फॉर लाइफ' की ब्रांड फिलॉसफी के साथ स्टारशाइन घरेलू जरूरतों के अनुरूप आधुनिक डिजाइन, तकनीक और उपयोगिता पर केंद्रित उत्पाद उपलब्ध करा रहा है। ब्रांड की उत्पाद श्रृंखला में एयर कूलर, पंखे,



वॉशिंग मशीन और स्मार्ट एंटरटेनमेंट से जुड़े उत्पाद शामिल हैं। इन उत्पादों को बदलती जीवनशैली और उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है।

आधुनिक डिजाइन और उपयोगिता पर फोकस

रोशन जैन, अंकित जैन और अनिकांत जैन के नेतृत्व में स्टारशाइन का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण उत्पादों और आधुनिक तकनीक के माध्यम से उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराना है। कंपनी स्मार्ट लिविंग के क्षेत्र में अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करने के साथ बाजार में उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है।

ब्रांड की पहुंच बढ़ाने की रणनीति

स्टारशाइन, अरहम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का ब्रांड है। कंपनी के अनुसार, 20 लाख से अधिक घरों तक पहुंचना उसकी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। वहीं, विक्की कौशल के साथ जुड़ाव ब्रांड की पहचान को व्यापक बनाने और उपभोक्ताओं के साथ जुड़ाव मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई–निविदा सूचना सं NIT/26/OCT/31261408/01 दिनांक: 16.10.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक / जीएसडी / एनजीपी, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर, निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

आईटम क्र. सं.	निविदा सं.	अनुमानित निविदा मूल्य (₹)	अंतिम तिथि	अंतिम समय	बयाना जमा राशि (₹)
1.	31261408	78,85,230/-	26.10.2026	प्रातः 10.30 बजे	1,47,710/-
	आइटम का संक्षिप्त विवरण :– आईसीएफ कोचों के लिए हेड स्टॉक (पूर्ण), ड्राइंग नंबर WFAC4-1-2-401, COL-II, ALT.m/0- के अनुसार विवरण ड्राइंग नंबर ड्राइंग नंबर WFAC4-1-2-401, COL,II, ALT.M/0.				कुल मात्रा 100.00 नग

नोट:– उपरोक्त निविदा एक ई–निविदा है। सभी निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा और अन्य आपूर्ति निविदाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS की वेबसाइट देखें।

PAM/62/166 उप मुख्य सामग्री प्रबंधक / जीएसडी / द.पू.म. रेलवे / मोतीबाग / नागपुर

f South East Central Railway 𝕏 @secrail



कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

।। चतुर्थ ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना ।।

क्रं. / 1471 / लो.क.वि. / न.पा. / 2026 कुम्हारी, दिनांक 16/10/2026

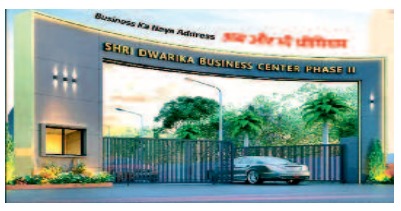
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
202111	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	28.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

श्री द्वारका बिजनेस सेंटर फेस-2 लॉन्च, 450 वर्गफुट से दुकानें उपलब्ध



रायपुर। राजधानी के डूमरतराई क्षेत्र में व्यावसायिक संपत्ति खरीदने के इच्छुक लोगों के लिए श्रीद्वारका बिल्डर ने 'श्रीद्वारका बिजनेस सेंटर' का फेस-2 लॉन्च किया है। प्रोजेक्ट के पहले चरण को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद दूसरे चरण में 450 वर्गफुट से दुकानें और कमर्शियल स्पेस उपलब्ध कराए जा रहे हैं। श्रीद्वारका बिल्डर के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद लखीसरानी ने बताया कि फेस-1 को व्यापारियों और निवेशकों से मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद फेस-2 प्रस्तुत किया गया है। इसका उद्देश्य कारोबार शुरू करने, व्यवसाय का विस्तार करने और भविष्य के लिए व्यावसायिक संपत्ति में निवेश करने वालों को विकल्प उपलब्ध कराना है।

'बिजनेस का नया एड्रेस' थीम पर प्रोजेक्ट

श्रीद्वारका बिजनेस सेंटर को 'बिजनेस का नया एड्रेस' थीम पर विकसित किया जा रहा है। डूमरतराई क्षेत्र की लोकेशन और कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए यहां व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप दुकानें और कमर्शियल स्पेस उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बागबाहरा, जिला-महासमुन्द, छ.ग.

दूरभाष क्रं. 07707-242178, ई.मेलः- npbgbr5@gmail.com

क्र./738/न.पा./लो.नि.वि./2026-27 बागबाहरा दिनांक 16/10/2026

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पालिका परिषद बागबाहरा में अधोसंरचना मद अंतर्गत विभिन्न निर्माण/विकास कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा प्रपत्र "अ" में छ.ग. लोक निर्माण विभाग में प्रचलित PWD Road SOR 15.06.2026, PWD BUILDING/ELECTRICAL SOR 10.06.2026 से प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है :-

क्रं.	सिस्टम टेंडर नम्बर	कार्य विवरण	लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि	ठेकेदार की श्रेणी	समय सीमा	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू. में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	अमानत राशि एवं 100 रू. स्टाम्प जमा करने की अंतिम तिथि
1	202150	वार्ड क्र. 09 में फैमिली ढाबा के सामने सामुदायिक भवन निर्माण कार्य	21.08	15820/-	"D" & Above	06 माह	750/-	10.11.2026 17:30 PM तक	13.11.2026 को दोपहर 16:30 PM तक
2	202151	वार्ड क्र. 13 में आजाद चौक से रेल्वे स्टेशन तक बी.टी. रोड निर्माण कार्य।	20.50	15400/-	"D" & Above	04 माह	750/-		

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि,, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in And https://cguad.gov.in से दिनांक 17.10.2026 को 10.30 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बागबाहरा

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग सरगुजा वनमण्डल, अम्बिकापुर (छ. ग.)

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि सरगुजा वनमण्डल, के अधीनस्थ काष्ठागार अम्बिकापुर में भण्डारित ईमारती एवं जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि एवं समय में ई-ऑक्शन किया जावेगा। इच्छुक व्यापारियों एवं अन्य क्रेताओं से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय / काष्ठागार अम्बिकापुर से प्राप्त की जा सकती है।

काष्ठागार अम्बिकापुर

नीलाम दिनांक - 26.10.2026 समय - प्रातः 09.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
	लटठा (घ.मी.)	बल्ली (नग)	लट्ठा (घ.मी.)	बल्ली (नग)	लट्ठा (घ.मी.)	बल्ली (नग)
सागौन	2.027	0	71.048	1909	73.075	1909
साल	351.445	150	5288.878	1590	5640.323	1740
बांसा	0.000	0	1.997	0	1.997	0
साजा	0.000	0	26.267	25	26.267	25
खम्हार	0.000	0	54.990	2327	54.990	2327
धावड़ा	0.000	0	22.856	0	22.856	0
नीलगिरी	0.000	0	0.000	0	0.000	0
सलैया	0.000	0	45.749	0	45.749	0
हल्दू	0.000	0	16.672	0	16.672	0
अन्य	15.542	0	932.678	1308	948.220	1308
योग:-	**369.014**	**150**	**6461.135**	**7159**	**6830.149**	**7309**
जलाऊ	0	0	336	Chatta	336	Chatta

टीप:- 1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। 2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। 3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग इन करके देख सकते हैं। 4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 20 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
सरगुजा वनमण्डल अम्बिकापुर (छ.ग.)

G-262704061/3

एसआईपी पर भरोसा बरकरार

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है।

गुमशुदा की तलाश



श्रीमती शकुन सेन

श्रीमती शकुन सेन (उम्र 55 वर्ष) पति गजानंद सेन, निवासी- आंगनबाड़ी के सामने गोंदवारा, थाना-खमतराई, रायपुर कमिश्नरेट रायपुर (छ.ग.), 28 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे राजिम से गोंदवारा रायपुर अपने घर जाने निकली है जो अभी नहीं पहुंची है। **हुलिया :-** चेहरा-चौड़ा, उंचाई 4''10, बाल डाई किया हुआ काला, रंग-गोरी, नीला चेकदार साड़ी ब्लाउज पहनी है। नाक में सोने का फुल्ली पहनी हुई है, पढ़ी-लिखी नहीं है, हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी बोलती है। जिस किसी को मिले या दिखे नीचे दिए पते पर सूचित करें।

संपर्क करें
गजानंद सेन
मो. 7222937507

गुमशुदा



श्रीमती देवकुमारी (आरती) साहू उम्र-35 वर्ष, हरे रंग की साड़ी पहनी है। वह दिनांक 07.10.2026 को घर से जिला अस्पताल जाने को निकली है, जो अभी तक घर नही आई है। जिस किसी भी व्यक्ति को दिखे या मिले **कृपया संपर्क करें मो.नं.-9755233287**

कार्यालय नगरपालिका परिषद कोण्डागांव जिला - कोण्डागांव (छ.ग.)

Fax No. - 07786-242230 Email-cmokondagaon.2010@rediffmail.com

क्रमांक /3148/न.पा. / लो.नि.वि. / 2026 कोण्डागांव, दिनांक 15.10.2026

ई - प्रोक्युरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

Main Portal : (https://eproc.cgstate.gov.in)

नगरपालिका परिषद कोण्डागांव द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा डाउनलोड करनें की अंतिम तिथि	अमानत राशि रू. में
1	2	3	4	5	6
1	201999	ANNUAL REPAIRING WORK FOR BUILDING'S, R.C.C. DRAIN'S, R.C.C. CULVERT'S, CC ROAD'S, SHED'S, PLATFORM'S, BOREWELLS etc at Ward 01 to 11 KONDAGAON. (UNDER ULB FUND & PRESIDENT/COUNSLER FUND etc.) (2nd Call)	30.00	30.10.2026	22500/-
2	202000	ANNUAL REPAIRING WORK FOR BUILDING'S, R.C.C. DRAIN'S, R.C.C. CULVERT'S, CC ROAD'S, SHED'S, PLATFORM'S, BOREWELLS etc at Ward 12 to 22 KONDAGAON. (UNDER ULB FUND & PRESIDENT/COUNSLER FUND etc.) (2nd Call)	30.00	30.10.2026	22500/-
3	202001	CONSTRUCTION OF PRAYER SHED AT PRIMARY SCHOOL JAMKOTPARA WARD NO. 05 KONDAGAON. (2nd Call)	08.48	30.10.2026	6500/-
4	202002	CONSTRUCTION OF PRAYER SHED AT PRIMARY SCHOOL TEHSILPARA WARD-09 KONDAGAON. (2nd Call)	08.48	30.10.2026	6500/-
5	202003	CONSTRUCTION OF DRAIN WITH COVER FROM BHANDARI GHAR TO BUDHU GHAR AT SHAHID VEER NARAYAN SINGH WARD NO. 15 KONDAGAON. (2nd Call)	19.51	30.10.2026	15000/-
6	202004	CONSTRUCTION OF CEMENT CONCRETE ROAD FROM POTAL GHAR TO SALAM GHAR AT GUNDADHUR BANDHAPARA WARD NO. 13 KONDAGAON. (2nd Call)	10.83	30.10.2026	8200/-
7	202005	CONSTRUCTION OF CEMENT CONRETE ROAD FROM DEVKOT TO NADI ROAD AT SHAHID VEERNARAYAN SINGH WARD NO. 15 KONDAGAON, (2nd Call)	08.56	30.10.2026	6500/-
8	202006	CONSTRUCTION OF CEMENT CONCRETE ROAD FROM PREM NARAYAN GHAR TO MANDIR ROAD, KALI MANDIR TO PATHAK GHAR, SURAJ YADAV GHAR TO SHIV MANDIR ROAD IN SHANKAR VIHAR COLONY FOREST COLONY WARD 14 KONDAGAON. (2nd Call)	13.27	30.10.2026	10000/-
9	202007	CONSTRUCTION OF SHED (CIVIL) NEAR SHITLA MATA MANDIR AT NAGAR PALIKA PARISHAD KONDAGAON. (2nd Call)	08.47	30.10.2026	6500/-

उपरोक्तानुसार निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के मेन पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है साथ ही अन्य विवरण एवं विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से संपर्क की जा सकती है अथवा कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद, कोण्डागांव
जिला - कोण्डागांव (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक, (विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (VB-GRAM-G)) जिला- राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

// संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन //

क्रमांक /318/ जि.पं./स्था. / VB-G RAM G / 2026-27 राजनांदगांव, दिनांक 16/10/2026

पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अधीन कार्यालय आयुक्त, विकसित- भारत - रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण), तृतीय तल, विकास भवन, नवा रायपुर के पत्र क्रमांक 1/566646 /2026/ वि- 7/ VB-GRAM G /स्था./नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 06.08.2026 एवं आयुक्त कार्या. का पत्र क्र. 1/608889/2026/ वि- 7/ VB-GRAM G / स्था./ नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 31.08.2026 द्वारा विकसित भारत जी राम जी, योजना अंतर्गत जिला राजनांदगांव, खैरागढ़ - छुईखदान - गण्डई, मोहला - मानपुर - अं. चौकी हेतु निम्नानुसार स्वीकृत पदों की भर्ती किये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत संविदा पदों में चयन हेतु शैक्षणिक अर्हता व मेरिट अंक के निर्धारण के अनुक्रम पर जिला एवं जनपद पंचायत स्तर पर अधोलिखित पदों व उनके सम्मुख दर्शाये विवरण अनुसार निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के अर्हताधारी, इच्छुक अभ्यर्थियों से दिनांक 10-11-2026 को सायं 05:30 बजे तक निम्नलिखित नियम एवं शर्तों के अधीन आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये जाते है:-

क्र.	पद का नाम	पुनरीक्षित संविदा एक मुश्त वेतन प्रतिमाह	अनारक्षित पद					अनुसूचित जाति					अनुसूचित जनजाति					अन्य पिछड़ा वर्ग					योग				
			मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
1	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	51780	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2
2	कार्यक्रम अधिकारी	39875	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2
3	सहायक प्रोग्रामर	35165	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
4	लेखापाल	23350	3	0	0	0	3	1	0	0	0	1	2	0	0	0	2	2	0	0	0	2	8	0	0	0	8
कुल योग			5	0	0	0	5	1	0	0	0	1	5	0	0	0	5	2	0	0	0	2	13	0	0	0	13

विज्ञापन अनुसार प्रत्येक पदों हेतु न्यूनतम शैक्षणिक आर्हता, भर्ती हेतु नियम एवं शर्तें तथा आवेदन का नमूना जिला राजनांदगांव के वेबसाईट https://rajnandgaon.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन सूचना पटल पर भी देखा जा सकता है।

कलेक्टर
जिला राजनांदगांव

S- 49502/1



महिला टी-20 : भारत और जिम्बाब्वे के बीच मैच शाम 7 बजे से

जिम्बाब्वे के खिलाफ लय तलाशने उतरेगा भारतीय शीर्ष क्रम, दूसरा मुकाबला आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पहले मैच में असफल रहे भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने की कोशिश करेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया, जिससे वह संकट में पड़ गए। जिम्बाब्वे की तरफ से ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।



हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं : दीप्ति

दीप्ति में एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस ऑलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आएंगे जब विपक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने कहा, 'निश्चित रूप से हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी।' उन्होंने कहा, 'मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है। लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा।' दीप्ति ने कहा, 'निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इस मैच से उसे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'

नेतृत्व करने उत्सुक होंगी मंधाना

मंधाना का यह पूर्णकालिक कप्तान के रूप में पहला मैच था, जिसमें बल्लेबाज के रूप में वह नाकाम रहीं और अब वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए उत्सुक होंगी। भारत के लिए बल्लेबाजी में सकारात्मक पहलू निक्की प्रसाद का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने दबाव में भी संयम और स्ट्रोकप्ले का शानदार नमूना पेश किया।'

स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी उजागर

भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट पर 114 रन ही बनाने दिया। उसकी टीम सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु और शार्ने मेयर्स से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी, जिन्होंने पहले मैच में बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जिम्बाब्वे को यह भी उम्मीद होगी कि ग्वांजुरा अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को बरकरार रखने में कामयाब होगी। उन्होंने पावरप्ले के दौरान स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर किया था।

टीमें इस प्रकार

भारत : स्मृति मंधाना (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा, निक्की प्रसाद, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष, कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्रीचरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नू मणि।

जिम्बाब्वे : जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिज़ा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, न्याशा ग्वांजुरा, नोम्पिलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चिएजा दुरुरु, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, तेंदानेई मायकुशा।

मैच का समय : शाम 7 बजे

वुहान ओपन : फाइनल में पहुंची कार्तल

वुहान। ब्रिटिश टेनिस स्टार सोने कार्तल ने वुहान ओपन के सेमीफाइनल में येलेना ओस्टापेंको को हराकर इतिहास रच दिया है। इस जीत के साथ ही वह अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए मास्टर्स 1000 के फाइनल में पहुंच गई हैं। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 170वें नंबर पर मौजूद कार्तल, 2009 में इस फॉर्मेट की शुरुआत के बाद से डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी बन गई हैं।

भारत-वेस्टइंडीज 5वां मैच रद्द, 2-2 से सीरीज बराबर



एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला शनिवार को बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे 5 मैचों की शृंखला 2-2 से बराबर रही। बारिश के कारण मुकाबला 2 घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ और इसे 9-नौ ओवर का कर दिया गया। भारतीय पारी के दौरान आठवें ओवर में एक बार फिर बारिश ने खेल रोक दिया। इसके बाद कुछ देर की इंतजार के बाद अंपायरों ने मुकाबला रद्द करने का फैसला किया। मैच रद्द होने से पहले ईशान किशन और नमन धीर ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए भारत को 7.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया था। किशन ने महज 10 गेंदों में 30 रन ठोके, जबकि धीर ने सिर्फ 6 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। लगातार बारिश के कारण मुकाबला रात 9.15 बजे शुरू हो सका। शाम करीब 4 बजे शुरू हुई बारिश के चलते मैच में काफी देरी हुई और इसे रात 10.03 बजे बारिश ने फिर खेल रोक दिया। इसके बाद वेस्टइंडीज को पांच ओवर में लक्ष्य का पीछा करने का मौका देने के लिए रात 10.21 बजे तक का कटऑफ समय तय किया गया था, लेकिन बारिश नहीं थमी और रात 10.18 बजे ही मुकाबला रद्द घोषित कर दिया गया।

फोकिना ने ज्वेरेव को हराया

एजेंसी ▶▶| शंघाई



शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। यह स्पेनिश खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है। डेविडोविच फोकिना ने अपने करियर में दूसरी बार जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव को हराया। शंघाई के स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए इस कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ज्वेरेव को 5-7, 6-4, 6-3 से मात दी। यह मैच दो घंटे छह मिनट तक चला। विश्व के नंबर 26 रैंकिंग वाले खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना पहला सेट हार गए थे, जो काफी कड़ा मुकाबला रहा।

अमृता ने जीता चांदी, भारत को मिले दो पदक

एजेंसी ▶▶| लास वेगास



भारतीय पहलवान अमृता पुजारी को अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला 72 किग्रा वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की इरीना जाब्लोत्स्का के खिलाफ चित होने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय महिला पहलवानों का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। अमृता मुकाबले में 0-6 से पीछे चल रही थीं, तभी जाब्लोत्स्का ने उन्हें चित कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। भारत की स्वीटी के पास एक और पदक जीतने का मौका था, लेकिन वह 53 किग्रा वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 0-11 से हार गईं।

FORM NO.
[See Regulation 33(2)]
OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR
2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP.
NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993.
RC/379/2024 05.10.2026
IDBI BANK
Versus
SHRI JAY KUMAR SAHU
To,
(CD1) SHRI JAY KUMAR SAHU
VILL. PARASBOD BARHAPUR
THE.- DHAMDHA, DURG-491331
(CD2) SHRI CHANJILAL SAHU
S/O SHRI BISAHU
H.NO. 41 VISHWAKARMA PARA.
VILL. PARASBOD BARHAPUR
TEH.- DHAMDHA, DURG-491331
Whereas you the was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had issued the Recovery Certificate dated **18/09/2024** in **OA/1833/2019** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs 4031008 (Rupees Forty Lakhs Thirty One Thousands Eight Only)** along with pendentelite and future interest @ 10% w.e.f. **10/12/2019** till realization and costs of **Rs 43000 (Rupees Forty Three Thousands Only)**, and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable / Immovable property.
2. You are hereby informed that the **24/11/2026** at **10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.
Specification of property
Agricultural vacant land bearing Khasra No. 20/3, 331/1, 370, 371, 397, 475, 694/1, area admeasuring total 2.37 hectares = 5.85 Acres, PH No. 9, Village Parasbod, Tehsil-Dhamdha, District-Durg (CG) Property in the name of Shri Jai Kumar Sahu S/o Shri Mangal Sahu.
Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **05/10/2026.**
SEAL
Sd/-
Recovery Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur



हंगरी की महिला ने 350 फीट गहरा गोता लगाकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

हंगरी। हंगरी कीमहिला जसोफिए टोरोसिक ने एडवेंचर स्पोर्ट के जरिए अपना नाम गिनीज बुक में दर्ज करवा लिया है। उन्होंने पानी में 350 फुट (108 मीटर) गोता लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनीं हैं।

व्हीलचेयर के सहारे महिला ने पूरी की मैराथन, तोड़ा अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। जो लोग व्हीलचेयर के सहारे होते हैं, वे शायद ही अपने रोजमर्रा के बड़े काम खुद कर पाते हैं। हालांकि, कुछ लोगों का जज्बा ऐसा होता है कि वे व्हीलचेयर को अपने लक्ष्य के रास्ते में बाधा नहीं बनने देते, बल्कि उसके साथ ही कमाल कर दिखाते हैं। ऐसा ही कुछ कैथरीन डेबर्नर ने कर दिखाया। उन्होंने सबको तब चौका दिया, जब उन्होंने 'बैंक ऑफ अमेरिका शिकागो मैराथन' में अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और फिर शीर्ष पर आईं।

लगातार 2 बार बनीं विश्व चैंपियन

स्विट्जरलैंड की कैथरीन एक व्हीलचेयर रेसर हैं, जिन्होनें 2024 के बाद एक बार फिर 2026 में जीत हासिल की है। उन्होंने रेस को एक घंटे, 33 मिनट और 16 सेकंड में पूरा किया और महिलाओं की व्हीलचेयर रेस का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। कैथरीन ने इससे पहले 2023 में बर्लिन मैराथन को एक घंटे, 34 मिनट और 16 सेकंड में पूरा करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। अब रविवार को उन्होंने एक मिनट से अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा है।



चुनौतियों के बाद भी नहीं मानी हार

शुरुआत से ही कैथरीन सपाट रेस ट्रैक पर तेजी से आगे बढ़ रही थीं। यह रास्ता तेज तो था, लेकिन इसमें कई मोड़ और घुमाव भी थे। इनकी वजह से तेज रफ्तार में व्हीलचेयर रेसिंग करना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, कैथरीन इससे घबराई नहीं और ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार से दौड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर दिखाया। अब कैथरीन 12 बड़ी मैराथन जीत चुकी हैं, जिससे साबित होता है कि उनमें कितना जज्बा है।

पुरुषों की श्रेणी में भी बना नया विश्व रिकॉर्ड

कैथरीन के साथ-साथ मार्सेल ह्यूग ने भी पुरुषों की श्रेणी में अपना पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने रेस को एक घंटे, 21 मिनट और 34 सेकंड में पूरा किया। इससे पहले उन्होंने साल 2021 में जापान में विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जब उन्होंने रेस को एक घंटे, 17 मिनट और 47 सेकंड में पूरा किया था। मार्सेल लगातार 5 साल शिकागो मैराथन के विजेता रहे हैं और अब उन्होंने इस कोर्स पर अपनी कुल 7वीं जीत हासिल की है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
राइनोप्लास्टी

नाक को सही (रिशेपिंग) करना
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

नाजियों ने लूटी थी जो यहूदी पेंटिंग, 398 करोड़ में हुई उसकी नीलामी

नई दिल्ली। एम्स्टर्डम में एक यहूदी परिवार से लूटी गई वासिली कैंडिंस्की की एक पेंटिंग लंदन के 'क्रिस्टीज' में 398 करोड़ रुपये की कीमत पर बिकी है। इस पेंटिंग का नाम 'दास बंटे लेबेन (यानि रंगीन जीवन)' है, जिसे 1907 में पेरिस में रूप दिया गया था। यह पेंटिंग न केवल एक खूबसूरत रचना के रूप में देखी जा रही है, बल्कि इसे ऐतिहासिक कलाकृति के रूप में भी देखा जा रहा है।इस पेंटिंग को सबसे पहले इमैनुएल और हेडविग लेवेनस्टीन ने 1927 में खरीदा था, जिन्हें कलाकृतियां जमा करने का शौक था। जर्मन कब्जा शुरू होने के कुछ ही समय बाद इसकी नीलामी हुई और इसे यहूदी संग्रहकर्ता सैल स्लिपर ने खरीद लिया। बाद में उनके परिवार ने इसे बेयरिश लैंडसबैंक को बेच दिया, जिसने इसे म्यूनिख के लेनबाकहाउस संग्रहालय को स्थायी रूप से उधार दे दिया। यह पेंटिंग दशकों से वहीं सजी हुई थी। शोधकर्ताओं ने पाया कि 1940 में एक अज्ञात व्यक्ति के कहने पर संग्रहालय के एक कर्मचारी ने कूरियर के जरिए इस कलाकृति को एक नीलामीघर तक पहुंचाया था।

चलने-फिरने की आज़ादी फिर से पाएँ, अत्याधुनिक
जॉइंट रिप्लेसमेंट से

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, रायपुर
Ajay 9827144371

ओम हॉस्पिटल
डॉ. कमलेश अग्रवाल
एम.बी.बी.एस, एम.एस, एम.सी.एच.
बर्न, प्लास्टिक, कॉस्मेटिक और रिकंसट्रक्टिव सर्जन
प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक विभाग
- जलने के बाद की प्लास्टिक सर्जरी (Contractures)
- कटे होंठ एवं तालु का मुफ्त ईलाज
- चेहरे के फ्रैक्चर का ईलाज (Maxillofacial Surgery)
- स्तनों की सर्जरी (Implant)
- Hypospadias, Vaginoplasty, गुप्त स्थानों की सर्जरी
- पैर के घाव का ईलाज
- कान बनाना, नाक बनाना
- Rhinoplasty, Vericose Veins

महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) 8370008551
खरोरा रोड़,तिल्दा (छ.ग.) 9302734809
सरायपाली (छ.ग.) 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) 8435908123
#Rajesh

इस दशहरा
घर लाएँ अपनी स्कॉर्पियो क्लासिक
पाएं ₹1.05 लाख* तक के फायदे
mahindra Rise
SPORT UTILITY VEHICLES

शुरुआती कीमत ₹13.37 लाख*
*योजना की वैधता 21 अक्टूबर 2026 तक
*T&C APPLY. EX-SHOWROOM PRICE.
SCORPIO CLASSIC
RALAS MOTORS: RAIPUR, BALODA BAZAR, MAHASAMUND, SARAIPALI - 7290057246, SHIVNATH MOTORS: RAIPUR, GARIABAND - 9667947878, SHIVNATH AUTOMOBILES: BHILAI, RAJNANDGAON, BALOD, KAWARDHA, BEMETARA, PULGAON - 7290057248, RALAS AUTOMOBILES: DHAMTARI, KANKER, KONDAGAON - 7290057247, BR BALAJI LLP: JAGDALPUR, SUKMA, DANTEWADA, BIJAPUR - 8448989091

1.8 CRORE संतुष्ट ग्राहक
TVS
उत्सव सज्जा भंडार
Utsav Sajja Bhandaar
पूजा सामग्री • सजावटी सामान • उपहार
XL100
चले तो इंडिया त्योहार रेडी
₹49 250# से शुरू
₹2 100^ कैश डिस्काउंट
एलॉय व्हील्स ट्यूबलेस टायर्स
LED हेडलैंप
Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick-start variant in Chhattisgarh. Price is subject to change without prior notice. ^ Cash discount offer applicable only on TVS XL100 Heavy Duty i-touchstart variant. T&C apply.
FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com अधिकृत मुख्य डीलर : रायपुर – भाठागांव: रायपुर टीवीएस, मो. 8071408124, फाफाडीह: साई टीवीएस, मो. 6262626003, आरंग: साई टीवीएस, मो. 6262626001, लालपुर: साई टीवीएस, मो. 6262626006, टेलिबांधा: हीरा टीवीएस, मो. 7880134301, पंडरी: अव्वनी टीवीएस, मो. 8305165176, जी.ई. रोड: भारत टीवीएस, मो. 9522000530, दुर्ग – भिलाई सुपेला: ईशान ऑटो वर्ल्ड प्रा. लि., मो. 8871212121, रालस ऑटोकॉर्प प्रा. लि., मो. 7909924000, भिलाई 3: रालस ऑटोकॉर्प प्रा. लि., मो. 7909912000, दुर्ग: एस.एस.डी. मोटर्स प्रा. लि., मो. 8602816642, राजनांदगांव: एल.सी.के. मोटर्स प्रा. लि., मो. 9770753076, 8770681011, इंडियन टीवीएस, मो. 9826166566, 9826366566, जगदलपुर: स्पाक ऑटो स्टोर एल.एल.पी., मो. 9232619001, धमतरी: स्कूटर हाउस, मो. 9827196521, कांकेर: आयशा मोटर्स, मो. 9981083966, 7694062213, कोंडागांव: शाई सेल्स एल.एल.पी., मो. 9692465300, 7999767288, महासमुंद – बागबाहरा: कनिज ऑटोमोबाइल्स एल.एल.पी., मो. 9355530533, महासमुंद: गुरुनानक ऑटो सेंटर, मो. 9202500054, बालोद – दल्लीराजहरा: गुरुदेव ऑटोमोबाइल्स, मो. 9407709281, बलौदा बाजार: कनिका ऑटोमोबाइल्स प्रा. लि., मो. 8979428844, बेमेतरा: श्री अरिहंत टीवीएस, मो. 8827790000, 7000629201, कवर्धा: श्री गुरुनानक ऑटोमोबाइल एल.एल.पी., मो. 9993309707. अधिकृत डीलर : रायपुर – अमनपुर: श्री ओम ऑटो, मो. 9893369485, बिरगांव रायपुर: ओम श्री मोटर्स, मो. 9039358352, डोंडे खुर्द: आर.एम. मोटर्स, मो. 9826133734, नवापारा राजिम: श्री कुशल ऑटो, मो. 8109788711, न्योरा: प्रतीक ऑटोमोबाइल्स, मो. 9300414173, माना बस्ती: हीरा टीवीएस, मो. 7880134374, सेजबहार: यशश्री मोटर्स, मो. 8390096555, सारागांव: श्री गणपति ऑटोज, मो. 9981855981, लखोली: श्री श्रीवास मोटर्स, मो. 6266166230, सिलियारी: गौरव ऑटोमोबाइल, मो. 7566593315, धनेली: रामदेव मोटर्स, मो. 9340136357, खरोरा: आदिनाथ मोटर्स, मो. 8959901521, दुर्ग – धमधा: श्री हरि मोटर्स, मो. 9302290263, उतई: वी.के. मोटर्स, मो. 8959187052, पाटन: देव ऑटो, मो. 9981086462, अमलेश्वर: शिवाय ऑटोमोबाइल्स, मो. 9111070701, मुरमुंडा: हीरा एंटरप्राइजेज, मो. 8085039059, पोटिया चौक: एम.वाई. ऑटोमोबाइल्स, मो. 8839205689, जुनवानी: जे.डी. मोटर्स, मो. 8959187052, रिसाली: सी.जी. मोटर्स, मो. 7000259645, गरियाबंद – मैनपुर: अनम ऑटो, मो. 7000618960, गरियाबंद: दिकेश मोटर, मो. 8720000334, राजिम: अरिहंत ऑटोमोबाइल्स, मो. 9826113240, देवभोग: खातेश्वर मोटर्स, मो. 7000186541, गोहरापदर: गणेश ऑटो केयर, मो. 8319380089, फिंगेश्वर: श्री राधे मोटर्स, मो. 8109123285, राजनांदगांव – डोंगरगढ़: रेयांश ऑटा मो. 7415344077, 8269896688, खैरागढ़: आर.के. ऑटोमोबाइल, मो. 7489863424, डोंगरगांव: भारत ऑटो, मो. 9827196076, अंबागढ़ चौकी: भारत ऑटो, मो. 9827196076, मोहला: शुभम मोटर्स, मो. 6260576066, गंडई: सानिया मोटर्स, मो. 9575726332, छुईखदान: आर.के. ऑटोमोबाइल, मो. 7489863424, सालेवारा: विदर्भ मोटर्स, मो. 7587490364, धमतरी – नगरी: दिकेश ऑटो, मो. 9981761572, कुरूद: भिलाई ऑटो, मो. 8982652500, मखारा: समृद्धि मोटर्स, मो. 9202336345, कांकेर – पखांजूर: बंगाल साइकिल एण्ड ऑटो पार्ट्स, मो. 9479220572, चारामा: एन. साई टीवीएस ऑटोमोबाइल्स, मो. 9039179813, मानुप्रतापपुर: सुभाष मोटर्स, मो. 9755249656, बांदे: रामकृष्ण ऑटो, मो. 6267093399, नारायणपुर: खुशी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9406107712, कोंडागांव – श्यामपुर: पराशर टीवीएस, मो. 6263685712, बनियागांव: श्री वेंकटेश्वर, मो. 9243072202, फरसगांव: श्री नारायण सेल्स, मो. 9685968593, केशकाल: हर्ष ऑटोमोबाइल्स, मो. 7000818373, महासमुंद – सरायपाली: श्री मंगलम मोटर्स, मो. 7828276101, ब्रह्मांडीह: बालाजी ऑटो, मो. 8305139373, बालोद – गुंडरदेही: शिवांश ऑटोमोबाइल्स, मो. 9340940548, सौरभ ऑटोमोबाइल्स, मो. 9424101888, गुरुर: श्री गुरुदेव मोटर्स, मो. 9907796983, बलौदा बाजार – लवन: कनिका ऑटो, मो. 6265917496, सिमगा: लक्ष्मी मोटर्स, मो. 9406122234, भाटापारा: इंडियन मोटर्स, मो. 9302622777, पलारी: कनिका मोटर्स, मो. 8979428844, 6268360105, लिमतरा: मां बम्लेश्वरी, मो. 7683839595, बेमेतरा – नवागढ़: श्री एम.के. मोटर्स, मो. 8120007666, देवकर: सपहा मोटर्स, मो. 9179534363, थानखम्हरिया: अरिहंत ऑटो, मो. 9993179413, बेरला: आर.के. मोटर, मो. 8085403067, भिम्मौरी: भवानी मोटर्स, मो. 9926150675, कवर्धा – पंडातराई: सांई मोटर्स, मो. 8305728281, पंडरिया: ज्योति एजेंसी, मो. 9893592635, लोहारा: श्री गुरुनानक ऑटोमोबाइल्स, मो. 9993309707, रेंगाखार: राज ऑटो मोबाइल्स, मो. 9981893829, बोड़ला: राहुल मोटर्स, मो. 9575991111, जगदलपुर – नगरनार: स्पाक ऑटो स्टोर एल.एल.पी., मो. 9232619014, भानपुरी: स्पाक ऑटो स्टोर एल.एल.पी., मो. 9232619013, बकावंड: स्पाक ऑटो स्टोर एल.एल.पी., मो. 9232619015, जगदलपुर: स्पाक ऑटो स्टोर एल.एल.पी. – दलपत सागर शाखा, मो. 9232619011, बीजापुर: धनलक्ष्मी ऑटोमोबाइल, मो. 9479012090, दंतेवाड़ा – बचेली: वोलंट टीवीएस, मो. 8253001320, गीदम: जगदंबा टीवीएस, मो. 9893801015, सुकमा: पी.आर. ऑटोमोबाइल्स, मो. 9425211102. dentsu/hb rai/08/26
Benefits up to ₹5500** ** T&C apply as per Flipkart.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com